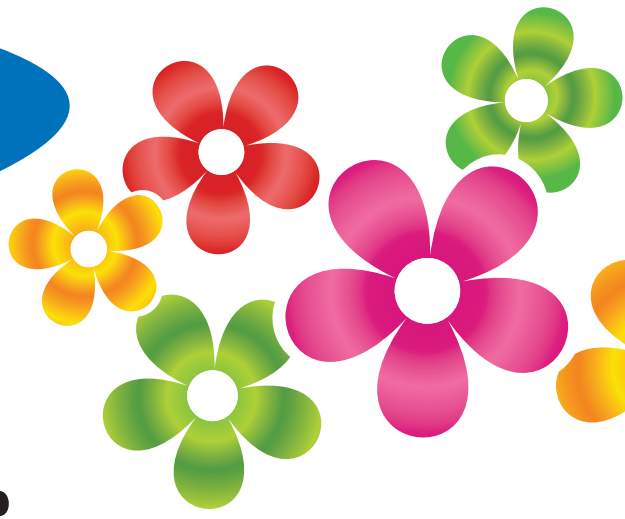

हिंदी व्याकरण

3

लेखक :
आलोक शर्मा
(एम०ए०, बी०एड०)

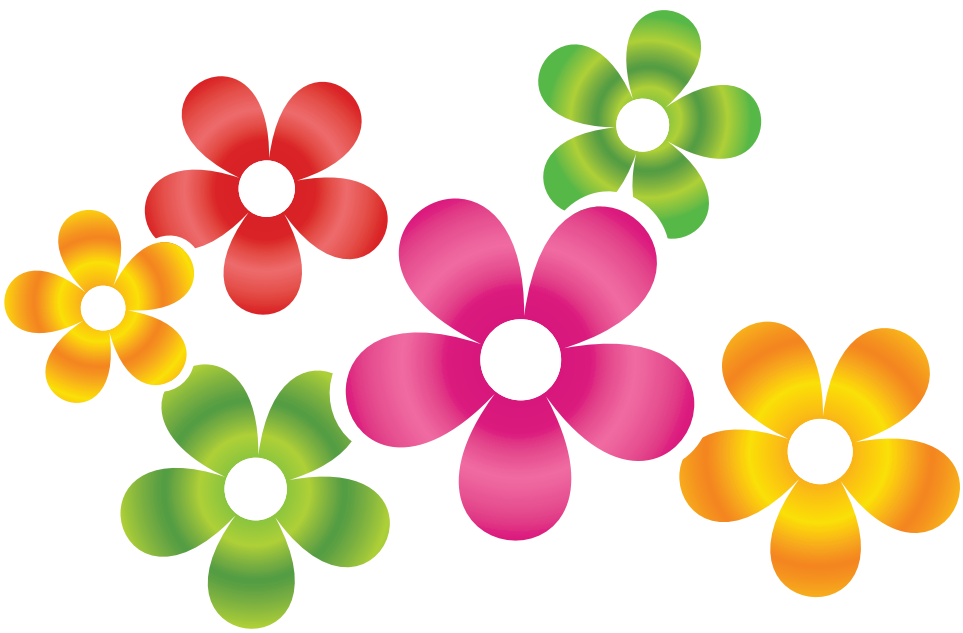

नाम _____

कक्षा _____ सैक्शन _____

स्कूल _____

घर का पता _____

दूरभाष : स्कूल _____

दूरभाष : घर _____

हिंदी

व्याकरण

प्रस्तावना

हिंदी व्याकरण की यह शृंखला आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। इसे एन॰ सी॰ ई॰ आर॰ टी॰, इंटरस्टेट बोर्ड फॉर एंग्लो इंडियन एजुकेशन एवं अन्य प्रांतीय शिक्षा परिषदों द्वारा स्वीकृत नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किया गया है।

इस शृंखला का उद्देश्य भाषा और व्याकरण का समुचित और सुबोध शैली में अध्ययन कराना है। छात्र व्याकरण को एक कठिन विषय के रूप में देखते हैं। इसलिए व्याकरण के जटिल नियमों को अत्यंत सरल और रोचक शब्दों में छात्रों तक पहुँचाना ही मेरा प्रयास है।

मेरा यह प्रयास छात्रों को अधिक रटने से बचाते हुए ज्ञानवर्धन करने के लिए है। अनेक चित्रों की सहायता से व्याकरण को समझाने का प्रयत्न किया गया है। अभ्यास में यथास्थान बहुवैकल्पिक प्रश्नों (MCQs) का समावेश किया गया है।

आशा है, यह प्रस्तुति विद्यार्थियों के लिए रुचिकर और उपयोगी सिद्ध होगी। आपसे अनुरोध है कि अपने अनुभवों और उपयोगी सुझावों से मुझे अवगत कराएँ।

धन्यवाद!

–लेखक

विषय सूची

खंड-'क' : व्याकरण (Grammar)

1. भाषा और व्याकरण (Language and Grammar) ... 5
2. वर्ण (Alphabet) ... 10
3. शब्द और वाक्य (Word and Sentences) ... 15
4. संज्ञा (Noun) ... 18
5. लिंग (Gender) ... 22
6. वचन (Number) ... 25
7. सर्वनाम (Pronoun) ... 29
8. विशेषण (Adjective) ... 34
9. क्रिया (Verb) ... 37
10. अशुद्धि शोधन (Correction of Errors) ... 40
11. विलोम शब्द (Antonyms) ... 43
12. पर्यायवाची शब्द (Synonyms) ... 46
13. शब्दों के जोड़े (Pair of Words) ... 49
14. समूहवाची शब्द (Collective Words) ... 50
15. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution) ... 51
16. मुहावरे (Idioms) ... 53

खंड-'ख' : रचना (Composition)

17. पत्र–लेखन (Letter-Writing) ... 57
18. चित्र–वर्णन (Picture-Description) ... 61
19. कहानी–लेखन (Story-Writing) ... 63
20. निबंध–लेखन (Eassy-Writing) ... 67
21. अनुच्छेद–लेखन (Paragraph-Writing) ... 70
22. अपठित गद्यांश (Unseen Passage) ... 71

1 भाषा और व्याकरण

(Language and Grammar)

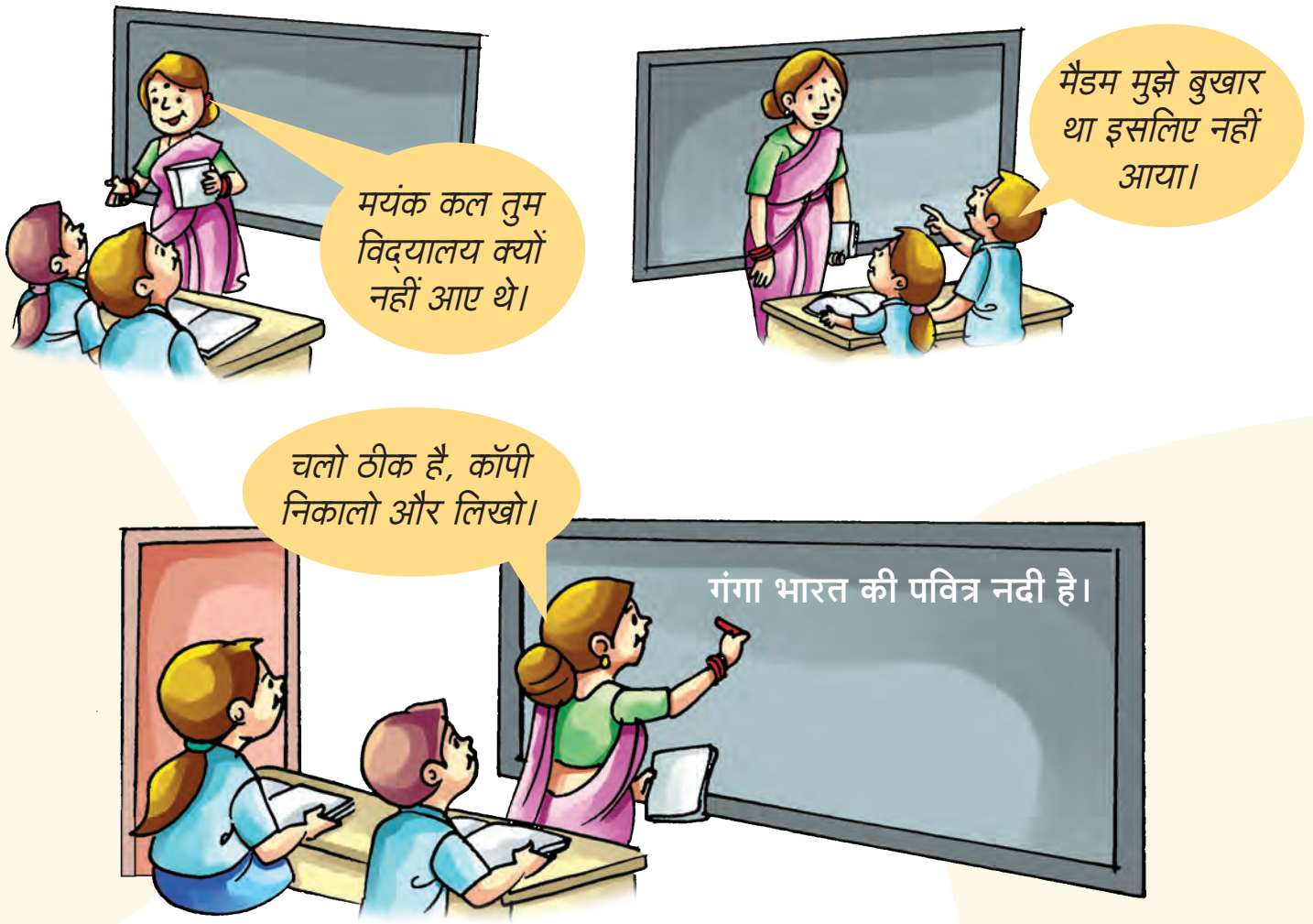

पहले चित्र में आपने देखा कि अध्यापिका जी ने छात्रों से अपनी बात (विचार) बोलकर समझाई। दूसरे चित्र में आपने देखा कि रमेश ने अपनी बात (विचार) कही और तीसरे चित्र में अध्यापिका जी ने अपनी बात (विचार) ब्लैकबोर्ड पर लिखकर समझाई।

अर्थात् अपनी बात (विचार) को बोलकर या लिखकर दूसरों के समक्ष प्रकट करना ही भाषा कहलाता है।

दूसरों की बात समझना और दूसरों को अपनी बात समझाना ही विचारों का आदान-प्रदान करना है।

जब हम किसी भी व्यक्ति को अपने विचार बोलकर, लिखकर या आदान-प्रदान करके समझाते हैं, तो यह सब भाषा ही है।

हम भाषा का अन्य रूपों में भी प्रयोग कर सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति के लिए भाषा का एक अलग महत्त्व है।

हम भाषा को स्वयं पढ़कर व सुनकर भी उस पर अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं।

भाषा के दो रूप हैं–

भाषा के रूप

1. मौखिक भाषा
2. लिखित भाषा

1. मौखिक भाषा

अपने विचारों को बोलकर प्रकट करना ही **मौखिक भाषा** कहलाता है। इसके अंतर्गत मंच पर भाषण देना, टेलीफोन पर बात करना, आपस में वार्ता करना आदि आते हैं।

2. लिखित भाषा

जब हम अपने विचार लिखकर प्रकट करते हैं, तो भाषा का यह रूप **लिखित भाषा** कहलाता है; जैसे– प्रश्नों का लिखकर उत्तर देना, अध्यापिका का बोर्ड पर कुछ लिखना, रास्ते में लिखी सूचनाएँ आदि।

मौखिक भाषा को हम सुनकर समझते हैं।

लिखित भाषा को हम पढ़कर समझते हैं।

हमारी राजभाषा

हमारी राजभाषा हिंदी है। 14 सितंबर, 1949 को यह घोषणा की गई थी। प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यही हमारे देश में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। इसकी लिपि 'देवनागरी' है। इसे एक वैज्ञानिक भाषा माना जाता है।

भारत में हिंदी के अतिरिक्त अन्य अनेक भाषाएँ भी बोली व समझी जाती हैं। कुछ प्रमुख राज्यों और उनकी भाषाओं के नाम नीचे दिए गए हैं–

भारत के राज्य	मुख्य भाषा	भारत के राज्य	मुख्य भाषा
कर्नाटक	कन्नड़	गुजरात	गुजराती
महाराष्ट्र	मराठी	आंध्र प्रदेश	तेलुगू
असोम	असमिया	केरल	मलयालम
पश्चिम बंगाल	बंगला	तमिलनाडु	तमिल
राजस्थान	राजस्थानी	पंजाब	पंजाबी

इसी प्रकार विश्व के अनेक देशों की भी अपनी अलग-अलग भाषाएँ हैं-

देश	प्रमुख भाषा	देश	प्रमुख भाषा
जापान	जापानी	चीन	चीनी
रूस	रूसी	इंग्लैंड	अंग्रेजी
स्पेन	स्पैनिश	फ्रांस	फ्रेंच
इटली	इटैलियन		

लिपि

भाषा को लिखने की विधि 'लिपि' कहलाती है, जैसे- हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी (क, ख, ग, घ, ...) है।

अंग्रेजी भाषा की लिपि रोमन (A, B, C, D, ...) है।

इसी तरह पंजाबी भाषा की लिपि 'गुरुमुखी' तथा उर्दू भाषा की लिपि 'अरबी-फ़ारसी' है।

भाषा (Language)	लिपि (Script)
हिंदी	देवनागरी
संस्कृत	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
पंजाबी	गुरुमुखी
उर्दू	अरबी-फ़ारसी

व्याकरण

हम जानते हैं कि भाषा वर्णों, शब्दों और वाक्यों से मिलकर बनती है।

इन्हें लिखने के कुछ नियम होते हैं, उन नियमों को ही व्याकरण कहते हैं।

व्याकरण के नियमों के अनुसार लिखी भाषा ही शुद्ध कहलाती है।

इसे एक उदाहरण द्वारा समझिए–

(क) मैंने पानी पी लिया है। (ख) है लिया पी पानी मैंने।

यद्यपि पहले वाक्य और दूसरे वाक्य में वही शब्द हैं किंतु उन्हें सही नियम के अनुसार न रखने के कारण दूसरा वाक्य अशुद्ध लिखा गया है।

अतः भाषा के शुद्ध ज्ञान व प्रयोग के लिए व्याकरण के नियमों का पालन अति आवश्यक है।

अभ्यास

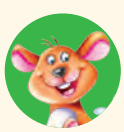

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) भाषा के रूप होते हैं-

चार ☐ दो ☐

(ख) हमारी राजभाषा है-

हिंदी ☐ अंग्रेज़ी ☐

(ग) 'हिंदी दिवस' मनाया जाता है-

2 अक्टूबर को ☐ 14 सितंबर को ☐

(घ) हिंदी भाषा की लिपि है-

गुरुमुखी ☐ देवनागरी ☐

2. भाषाओं के सामने लिखिए कि वे किस राज्य में बोली जाती हैं–

मलयालम _____ कन्नड़ _____

तेलुगू _____ मराठी _____

गुजराती _____ पंजाबी _____

3. रिक्त स्थान में उचित शब्द लिखिए–

(क) हिंदी एक _____ भाषा है। (क्षेत्रीय/वैज्ञानिक)

(ख) हिंदी को राष्ट्रभाषा सन् _____ में घोषित किया गया। (1947/1949)

(ग) अंग्रेज़ी भाषा की लिपि _____ है। (रोमन/फ़ारसी)

(घ) व्याकरण में हम _____ संबंधी नियम सीखते हैं। (अनुशासन/भाषा)

क्रियात्मक कौशल

- **व्याकरण के नियमों का महत्त्व जानिए, जरा-सी जगह बदलने से शब्द का अर्थ क्या से क्या हो जाता है–**

मोर (पक्षी), मरो (मरना)

चोर (लुटेरा), चरो (घास चरना)

इसी तरह के कुछ अन्य रोचक शब्दों को अर्थ सहित लिखिए जिनमें वर्ण और मात्राएँ उतनी ही हों, केवल स्थान बदला हुआ हो-

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

_____ _____ _____ _____

- **वाक्य के आगे लिखिए कि वह भाषा का मौखिक रूप है या लिखित रूप–**

कविता सुनाना ( )

उत्तर लिखना ( )

पत्र पढ़ना ( )

टी॰ वी॰ पर समाचार सुनना ( )

निबंध लिखना ( )

2 वर्ण
(Letters)

दिए गए चित्रों को ध्यानपूर्वक देखिए और समझिए–

1. चौकीदार के मुख से भाषा निम्नलिखित ध्वनि लिए सुनाई देती है–

जागते ज् + आ + ग् + अ + त् + ए **रहो** र् + अ + ह् + ओ

= जागते रहो

2. बालकों का नारा निम्नलिखित ध्वनियाँ लिए सुनाई देता है–

भारत भ् + आ + र् + अ + त् + अ **माता** म् + आ + त् + आ

की क् + ई **जय** ज् + अ + य् + अ

= भारत माता की जय

उपर्युक्त शब्द विभिन्न ध्वनियों के मेल से बने हैं। ये भाषा की सबसे छोटी इकाई हैं। इनके और टुकड़े नहीं किए जा सकते। इन ध्वनियों को वर्ण कहते हैं।

वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े न हो सकें 'वर्ण' कहलाती है।

हिंदी वर्णमाला में निम्नलिखित प्रकार के वर्ण होते हैं–

1. स्वर-11, 2. व्यंजन-35, 3. संयुक्त व्यंजन-4, 4. अयोगवाह-2

स्वर (Vowels)

जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य वर्ण या बिना किसी ध्वनि की सहायता से किया जाता है, उन्हें स्वर कहते हैं।

निम्नलिखित ग्यारह (11) वर्ण स्वर कहलाते हैं–

स्वर के भेद

स्वर के दो भेद होते हैं–

1. ह्रस्व स्वर 2. दीर्घ स्वर

1. **ह्रस्व स्वर (Short Vowels)**—जिस स्वर के उच्चारण में कम समय लगता है, उसे ह्रस्व स्वर कहते हैं। ह्रस्व स्वर चार हैं– अ इ उ ऋ
2. **दीर्घ स्वर (Long Vowels)**—जिस स्वर के उच्चारण में अधिक समय लगता है, उसे दीर्घ स्वर कहते हैं। दीर्घ स्वर सात हैं– आ ई ऊ ए ऐ ओ औ

हिंदी में अब 'ऑ' स्वर का भी प्रयोग होने लगा है। यह विदेशी (आगत) स्वर है। इसका प्रयोग उन अंग्रेजी शब्दों में होता है जिनमें 'O' ध्वनि आई हो; जैसे–डॉक्टर, कॉफी आदि।

मात्राएँ (Moras)

जब स्वरों को व्यंजनों के पूर्व प्रयोग किया जाता है तो उनके रूप में परिवर्तन नहीं आता है, मगर जब उनका प्रयोग व्यंजनों के पश्चात किया जाता है, तो उनका रूप परिवर्तित हो जाता है। स्वरों के रूप में होने वाले इसी परिवर्तन को मात्रा कहा जाता है।

जैसे–	व्यंजन से पूर्व स्वरों का रूप			व्यंजन के पश्चात स्वरों का रूप			
	आ	=	आज, आँख	आ	→ ा	=	मान, चाँद
	इ, ई,	=	इमली, ईख	इ	→ ि	=	मिल, बिल
				ई	→ ी	=	कील, गीत

स्वरों के मात्रा-चिह्न (Moras of Vowels)

प्रत्येक स्वर के लिए निश्चित मात्रा-चिह्न का प्रयोग किया जाता है। इसका वर्णन निम्न प्रकार है–

स्वर	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्रा	–	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ
मात्रा का प्रयोग	न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	ने	नै	नो	नौ
उदाहरण	नल	नाम	निब	नील	नुकसान	नूर	नृप	नेग	नैन	नोक	नौका
	फल	जाल	दिन	बीन	खुश	शूल	गृह	जेब	बैर	रोम	कौर

- हिंदी वर्णमाला के प्रत्येक व्यंजन के साथ 'अ' का स्वर सम्मिलित होता है। किसी व्यंजन के उच्चारण के लिए स्वर का होना आवश्यक है।
- 'अ' का कोई मात्रा-चिह्न नहीं होता है।
- स्वर रहित व्यंजन को दिखाने के लिए उसके नीचे हल चिह्न (्) लगाया जाता है। हल चिह्न लगे हुए व्यंजन को 'हलंत' कहा जाता है।
- 'र' में 'उ' और 'ऊ' की मात्राएँ नीचे न लगाकर बीच में लगायी जाती हैं।

जैसे– रु (र + उ)। उदाहरण – रुपया

रू (र + ऊ)। उदाहरण – रूमाल

व्यंजन (Consonants)

जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता ली जाती है, उन्हें व्यंजन कहा जाता है।

हिंदी में 35 व्यंजन हैं। जब हम व्यंजनों का उच्चारण करते हैं तो मुँह के अंदर की वायु कंठ, जीभ, दाँत, तालु और ओष्ठ आदि अंगों से टकराती हुई बाहर आती है।

व्यंजन के भेद

उच्चारण के आधार पर व्यंजन के तीन भेद होते हैं–

1. स्पर्श व्यंजन 2. अंतःस्थ व्यंजन 3. ऊष्म व्यंजन

1. **स्पर्श व्यंजन (Mutes)**—इन व्यंजनों का उच्चारण करते समय जीभ मुँह के विभिन्न भागों; जैसे–कंठ, तालु, मूर्धा, होंठ, दाँत आदि का स्पर्श करती है, इसीलिए इन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या 25 है। स्पर्श व्यंजन निम्नलिखित हैं–

क्रम सं.	वर्ग	व्यंजन	उच्चारण स्थान
1.	क वर्ग	क ख ग घ ङ	कंठ
2.	च वर्ग	च छ ज झ ञ	तालु
3.	ट वर्ग	ट ठ ड ढ ण	मूर्धा
4.	त वर्ग	त थ द ध न	दंत
5.	प वर्ग	प फ ब भ म	ओष्ठ

2. **अंतःस्थ व्यंजन (Semi-Vowels)**—इन व्यंजनों का उच्चारण करते समय जीभ मुँह के भीतरी भाग को मामूली-सा स्पर्श करती है। इनकी स्थिति स्वर और व्यंजन के बीच की होती है, इसीलिए इन्हें अंतःस्थ व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या चार है–

य र ल व

3. **ऊष्म व्यंजन (Sibilants)**—ऊष्म का अर्थ है–'गरम'। इन व्यंजनों का उच्चारण करते समय वायु मुँह के विभिन्न भागों से रगड़ खाती हुई बाहर आती है। व्यंजनों में इस 'रगड़' के साथ बोलने पर गर्मी उत्पन्न होती है। इसलिए इन व्यंजनों को ऊष्म व्यंजन कहते हैं। इनकी संख्या भी चार है– श ष स ह

संयुक्त व्यंजन (Joint Consonants)

जब दो व्यंजनों के बीच कोई स्वर नहीं होता तो उन्हें मिलाकर लिखा जाता है। इस प्रकार मिलाकर लिखे गए व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं; जैसे–

क्ष	=	क्	+	ष	—	अक्षय	कक्षा	रक्षक
त्र	=	त्	+	र	—	मित्र	छात्र	त्रिशूल
ज्ञ	=	ज्	+	ञ	—	ज्ञान	यज्ञ	अज्ञात
श्र	=	श्	+	र	—	श्रम	आश्रम	श्रवण

संयुक्त वर्ण				शब्द	संयुक्त वर्ण				शब्द
च्	+	छ	=	अच्छा	द्	+	य	=	विद्या
ध्	+	व	=	ध्वज	क्	+	ख	=	मक्खी
त्	+	थ	=	पत्थर	स्	+	थ	=	स्थान

द्वित्व व्यंजन (Double Consonants)—जब एक व्यंजन ध्वनि अपने जैसी ही अन्य ध्वनि से संयुक्त होती है तो द्वित्व ध्वनि की रचना होती है; जैसे–

क् + क = क्क = चक्कर, लक्कड़ च् + च = च्च = कच्चा, सच्चा

ट् + ट = ट्ट = टट्टू, पट्टा स + स = स्स = रस्सी, अस्सी

अयोगवाह (After Sounds)

हिंदी वर्ण माला में ऐसे वर्ण जो न तो स्वर हैं ओर न ही व्यंजन, वे अयोगवाह व्यंजन कहलाते हैं, जो निम्नलिखित हैं–

अनुस्वार (Nasal (ं))— इसका उच्चारण मुँह और नाक दोनों से होता है; जैसे– हंस, पतंग, संसार गंगा आदि।

अनुनासिक (Semi-Nasal (ँ))— इसे चंद्रबिंदु भी कहा जाता है। इसका उच्चारण मुँह और नाक दोनों से होता है; जैसे– आँख, पाँच, हँसी, मुँह, चाँद आदि।

विसर्ग (Colon (ः))— इसका उच्चारण 'ह्' के समान होता है; जैसे– अतः, प्रातः, नम्रः आदि।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त अनुस्वार तथा अनुनासिक ध्वनियाँ पहचानिए तथा उनके सामने जो उचित हो, लिखिए–

(क) कुँवर _____ (घ) टाँग _____

(ख) कुंडा _____ (ङ) गाँठ _____

(ग) अंडा _____ (च) पंच _____

2. निम्नलिखित शब्दों में से संयुक्त वर्ण छाँटकर लिखिए–

(क) मित्र _____ (घ) चक्कर _____ (ज) रक्षक _____

(ख) सत्तर _____ (ङ) विज्ञान _____ (झ) व्याकरण _____

(ग) मक्खन _____ (छ) मच्छर _____ (ञ) सख्त _____

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) वर्ण किसे कहते हैं?

_____

(ख) हिंदी वर्णमाला में वर्ण कितने प्रकार के होते हैं?

_____

(ग) स्वर-वर्ण किसे कहते हैं?

_____

(घ) ह्रस्व और दीर्घ स्वरों को संक्षिप्त रूप में समझाइए।

_____

(ङ) व्यंजन किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं?

_____

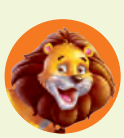

क्रियात्मक कौशल

- **द्वित्व व्यंजन के चार उदाहरण लिखिए–**

_____ _____ _____ _____

3 शब्द और वाक्य
(Word and Sentences)

शब्द

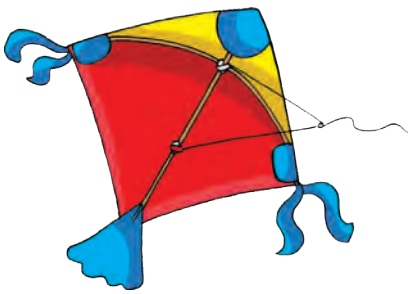

पतंग

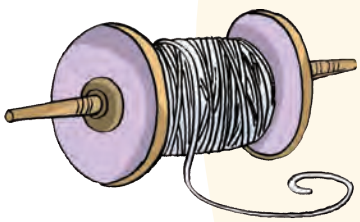

डोर

मेज

जेब

ऊपर लिखे शब्द अनेक वर्णों के मेल से बने हैं; जैसे-

प् + अ + त् + अं + ग् + अ = पतंग

ड् + ओ + र् + अ = डोर

म् + ए + ज् + अ = मेज

ज् + ए + ब् + अ = जेब

इन सभी शब्दों के निश्चित अर्थ हैं।

दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

वाक्य

शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनता है। सार्थक मेल का अर्थ है कि शब्दों का ऐसा मेल जिसका कोई अर्थ अवश्य हो। आगे दिए गए उदाहरण से यह बात स्पष्ट हो जाएगी-

वाक्य नहीं हैं	वाक्य हैं
(क)	(ख)
हूँ खाता भोजन मैं।	मैं भोजन खाता हूँ।
बाजार गई कल थी नीना।	नीना कल बाजार गई थी।
हो तुम आए से कहाँ?	तुम कहाँ से आए हो?
है मुझे समाप्त काम करना।	मुझे काम समाप्त करना है।

आपने समझा कि वाक्य उसे ही कहेंगे जिससे कोई अर्थ निकले।

शब्दों के सार्थक मेल को वाक्य कहते हैं।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य लिखिए–

(क) थी रही हो वर्षा।

_____

(ख) नाराज़ मीना थी गई हो।

_____

(ग) तैयारी करनी मुझे है की परीक्षा।

_____

(घ) है नहीं झूठ बोलना बात अच्छी।

_____

2. निरर्थक शब्दों से (बिना अर्थ वाले) सार्थक शब्द (अर्थ वाले शब्द) बनाइए–

ईठामि - मिठाई

लाके - _____

लवचा - _____

रनाअ - _____

मीमौस - _____

3. प्रश्नोत्तर–

(क) शब्द किसे कहते हैं?

_____

_____

(ख) वाक्य किसे कहते हैं?

_____

_____

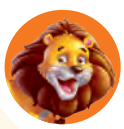

क्रियात्मक कौशल

- **सार्थक शब्दों पर (✓) लगाइए–**

नींबू	☐	शरबत	☐
बजनू	☐	तरकश	☐
बैंगन	☐	सरठा	☐
मूली	☐	मठरी	☐
जबर्जा	☐	कुर्ता	☐

- **मिलते-जुलते निरर्थक शब्द जोड़िए–**

चाय	-	वाय	रोटी	-	वोटी
दाल	-	_____	पानी	-	_____
चम्मच	-	_____	चित्र	-	_____
पहाड़	-	_____	दुकान	-	_____

- **शब्द लड़ी बनाइए–**

मेज़

जल

लड़की

_____

_____

4 संज्ञा
(Noun)

किसी वस्तु, स्थान, व्यक्ति, भाव आदि के नाम को **संज्ञा** कहते हैं। जैसे–

यह एक **विद्यालय** है।

राधा श्यामपट पढ़ रही है।

लड़के पार्क में खेल रहे हैं।

छवि, **लीना** और **सविता** तीनों **सितार** बजा रही हैं।

रमन आज **विद्यालय** देर से आया है।

विद्यालय के बाहर **चपरासी** खड़ा है।

चपरासी घंटी बजाता है।

ऊपर दिए गए चित्रों में अनेक वस्तु, स्थान, व्यक्ति आदि आए हैं;- **वस्तु** - श्यामपट, सितार, घंटी; **स्थान** - पार्क, विद्यालय; **व्यक्ति** - राधा, लड़के, छवि, लीना, सविता, रमन, चपरासी।

अर्थात्, किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के तीन भेद होते हैं-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का पता चलता है, उसे **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे-

तुलसीदास

शुभ्रा

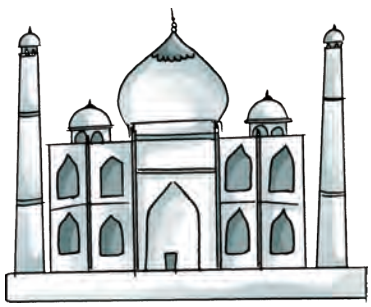

ताजमहल

यहाँ पर तुलसीदास, शुभ्रा, व्यक्ति विशेष व ताजमहल स्थान विशेष के नाम हैं। ऐसे नाम ही व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से किसी प्राणी, पदार्थ या समुदाय की पूरी जाति का बोध होता है, उसे '**जातिवाचक संज्ञा**' कहते हैं। जैसे–

गाय

मछली

पेड़

यहाँ पर में 'गाय', 'मछली', 'पेड़' और 'बिल्ली' शब्द से किसी विशेष प्राणी या वस्तु का बोध न होकर इनकी संपूर्ण जाति का बोध होता है, इसलिए ये शब्द जातिवाचक संज्ञा कहलाएँगे।

3. भाववाचक संज्ञा

जिन शब्दों से किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण-दोष, स्थिति या भाव आदि का पता चलता है, वे शब्द '**भाववाचक संज्ञा**' कहलाते हैं; जैसे–

सुंदरता

बचपन

निर्बलता

यहाँ पर सुंदरता, बचपन, निर्बलता व मिठास भाव के नाम हैं, इसलिए ये भाववाचक संज्ञा हैं।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) निम्नलिखित में कौन-सी संज्ञा भाववाचक है?

पुस्तक	☐	छात्र	☐
विद्यालय	☐	सौंदर्य	☐

(ख) निम्नलिखित में कौन-सी संज्ञा व्यक्तिवाचक है?

हरियाली	☐	घर	☐
रामदेव	☐	हाथी	☐

(ग) संज्ञा के कितने भेद होते हैं?

दो	☐	तीन	☐
छह	☐	आठ	☐

2. संज्ञा शब्दों पर गोला ◯ बनाइए–

हम, तुम, पुस्तक, गेंद, मिठाई, सुंदरता, वह, मेज, वहाँ, यहाँ, पेन, लालकिला।

3. संज्ञा शब्दों के सामने उनके भेद लिखिए–

बालक - _____

मछली - _____

दिल्ली - _____

मिठाई - _____

सुंदरता - _____

गाय - _____

4. प्रश्नोत्तर–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?

_____

_____

(ख) भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं?

_____

_____

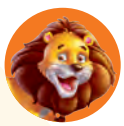

क्रियात्मक कौशल

- **उचित शीर्षक के नीचे लिखिए–**

मीना, मित्रता, बेईमानी, ईमानदारी, रेशमा, बचपन, अतुल, मदर टेरेसा, बुढ़ापा।

व्यक्तिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

- **चित्रों के नीचे उनके नाम (संज्ञा) व उनके संज्ञा भेद लिखिए–**

नाम – _____ नाम – _____

संज्ञा भेद – _____ संज्ञा भेद – _____

5 लिंग
(Gender)

"जो शब्द किसी जाति विशेष का ज्ञान कराते हैं, वे लिंग कहलाते हैं।"

लिंग के दो भेद होते हैं–

1. पुल्लिंग
2. स्त्रीलिंग

1. पुल्लिंग– जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं; जैसे–

शेर

आदमी

गुड्डा

लड़का

2. स्त्रीलिंग– जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे-

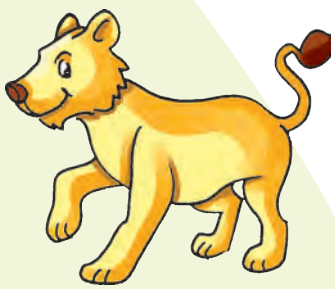

शेरनी

औरत

गुड़िया

लड़की

कुछ अन्य उदाहरण पढ़िए और समझिए-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
देवता	देवी	नर	नारी
पुरुष	स्त्री	राजा	रानी
पुत्र	पुत्री	छात्र	छात्रा
घोड़ा	घोड़ी	मामा	मामी
बेटा	बेटी	शेर	शेरनी
मौसा	मौसी	लेखक	लेखिका
भील	भीलिनी	बैल	गाय
गुड्डा	गुड़िया	नाग	नागिन
बंदर	बंदरिया	सुनार	सुनारिन
डिब्बा	डिबिया	शिक्षक	शिक्षिका
सेठ	सेठानी	नर्तक	नर्तकी
पिता	माता	मोर	मोरनी

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. शब्दों के आगे लिंग भेद लिखिए–

पर्वत _____ नदी _____

राजकुमारी _____ गाँव _____

सेविका _____ राजा _____

2. लिंग बदलकर वाक्यों को पुनः लिखिए–

(क) राजा डर गया।

_____

(ख) कटोरी गिर गई।

_____

(ग) यह थाली गंदी है।

_____

(घ) नदी बह रही थी।

_____

3. शब्दों के पुल्लिंग लिखिए–

देवी _____ रानी _____

नौकरानी _____ दादी _____

चाची _____ मालिन _____

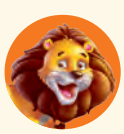

क्रियात्मक कौशल

- **शब्दों को समझकर सही बॉक्स में डालिए–**

चटाई, फर्श, जूता, घोड़ी, मोजे, चुहिया, मूली, प्याज, जाल, गधी, अखबार, कागज़, पुड़िया, नमक, मिर्च, धूप।

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

6 वचन
(Number)

शब्द के जिस रूप से हमें उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

वचन के भेद

वचन के दो भेद होते हैं–

1. एकवचन
2. बहुवचन

एकवचन

जो शब्द संख्या में एक होने का बोध कराते हैं, **एकवचन** कहलाते हैं; जैसे–

कार

छतरी

कछुआ

केला

बहुवचन

जो शब्द संख्या में दो या दो से अधिक होने का बोध कराते हैं, **बहुवचन** कहलाते हैं; जैसे–

कारें

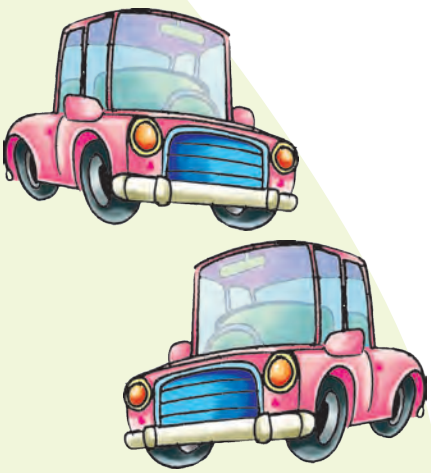

छतरियाँ

कछुए

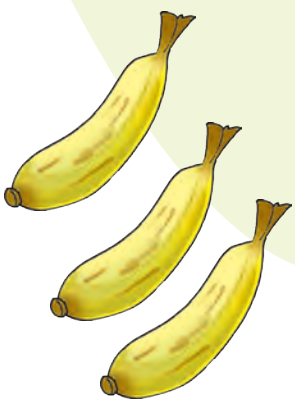

केले

कुछ अन्य उदाहरण पढ़कर समझिए–

एकवचन	बहुवचन
रात	रातें
छत	छतें
बहन	बहनें
बच्चा	बच्चे
पुस्तक	पुस्तकें
नदी	नदियाँ
गधा	गधे
लड़की	लड़कियाँ
रोटी	रोटियाँ
वस्तु	वस्तुएँ
माला	मालाएँ
बात	बातें

एकवचन	बहुवचन
गाय	गायें
बेटा	बेटे
लता	लताएँ
चीता	चीते
दुकान	दुकानें
भेड़	भेड़ें
चुनरी	चुनरियाँ
बिजली	बिजलियाँ
भाषा	भाषाएँ
पौधा	पौधे
आँख	आँखें
सखी	सखियाँ

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे कहते हैं–

संज्ञा ☐ वचन ☐

(ख) शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का बोध हो, उसे कहते हैं–

एकवचन ☐ महावचन ☐

(ग) शब्द के जिस रूप से उसके अनेक होने का बोध हो, उसे कहते हैं–

अनेकवचन ☐ बहुवचन ☐

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

पुस्तक - _____ कुर्सी - _____

पेंसिल - _____ रोटी - _____

चिड़िया - _____ नदी - _____

पौधा - _____ माला - _____

3. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलिए–

(क) तौलिया फट गया है।

_____

(ख) सोफे पर धूल है।

_____

(ग) कमरा काफी बड़ा है।

_____

(घ) गाय चर रही है।

_____

4. प्रश्नोत्तर–

(क) एकवचन किसे कहते हैं?

_____

_____

(ख) बहुवचन किसे कहते हैं?

_____

_____

क्रियात्मक कौशल

- **रिक्त स्थान में उचित शब्द लिखिए–**

(क) मेरे पास अनेक _____ हैं। (पुस्तक/पुस्तकें)

(ख) उसके चार _____ हैं। (बेटा/बेटे)

(ग) मेरी _____ लंबी हैं। (माँ/माएँ)

(घ) भूरी _____ ने कम दूध दिया। (गाय/गायें)

- **रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–**

(क) नीले आसमान में चिड़िया उड़ रही है।

नीले आसमान में चिड़ियाँ उड़ रही हैं।

(ख) डॉक्टर ने दवाई लिखकर दी।

_____

(ग) मैंने अपनी आँख बंद कर ली।

_____

(घ) तालाब में मछली तैर रही है।

_____

- **निम्नलिखित शब्दों को सही स्थान पर लिखिए–**

मुर्गी, चिड़िया, तोते, मोमबत्ती, बताशा, चारपाई, सुराहियाँ, नदियाँ, झाड़ू, सींकें, सीढ़ी, छलनी, लड़कियाँ

एकवचन	बहुवचन
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

- **अपने मनपसंद किन्हीं दस शब्दों का चयन कर उनका वचन-भेद बताते हुए एक आकर्षक चार्ट बनाएँ।**

7 सर्वनाम
(Pronoun)

जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे **सर्वनाम** कहलाते हैं। जैसे–

गाय एक पालतू पशु है।

इसके चार पैर होते हैं।

यह काले, सफेद व भूरे रंग की होती है।

इसकी एक लंबी पूँछ होती है।

यह एक पूजनीय पशु है।

यह हमें दूध देती है।

इसके दूध से अनेक चीजें बनती हैं।

यहाँ पर रंगीन छपे शब्द गाय संज्ञा के स्थान पर प्रयोग हुए हैं। इसलिए ये सभी सर्वनाम हैं।

ध्यान रखें

बोलने वाला अपने लिए 'मैं' या 'हम' सर्वनाम का प्रयोग करता है; जैसे–

मैं खेलने जा रहा हूँ।

हम शहर जा रहे हैं।

जिससे बात करते हैं, उसके लिए 'तुम' या 'आप' का प्रयोग करते हैं; जैसे–

तुम क्या खा रहे हो?

क्या आप स्वस्थ हैं?

अपने से बड़ों के लिए हमेशा 'आप' शब्द का प्रयोग किया जाता है।

जिसके बारे में बात की जाए, उसके लिए 'वह' या 'वे' सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।

कुछ प्रमुख सर्वनाम शब्द इस प्रकार हैं–

तू	तुम	आप	वह
तूने	तुमने	उन्होंने	मुझे
किसने	जिसने	जिसे	किसे
उनका	जिसका	किसका	आपसे
हमें	आपने	जिस	यह

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छह भेद होते हैं–

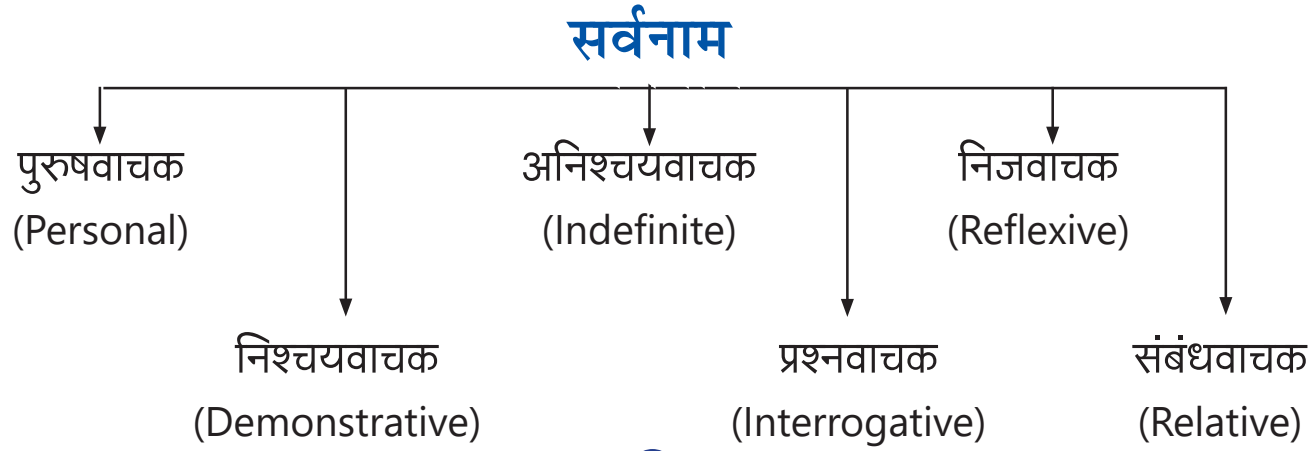

इनके प्रयोग समझिए–

अपने लिए-

सर्वनाम शब्द-अपने नाम के स्थान पर मैं; मैंने, मेरा, हम, हमने, हमारा आदि शब्द प्रयोग किए जाते हैं। जैसे–

मैंने अपना काम पूरा कर लिया।

मेरी कमीज नई है।

हम घूमने जा रहे हैं।

बात कर रहे दूसरे व्यक्ति के लिए-

सर्वनाम शब्द-तुम, तू, आप, आपका, तुम्हारा आदि।

तुम क्या ढूँढ़ रहे हो?

तुम्हें कौन-सा रंग पसंद है?

आपके लिए यह फूल भेजे हैं।

जिसके बारे में बात की जाए–

सर्वनाम शब्द-वह, उसने, किसका, कौन, यह आदि।

वह रोज दो दर्जन केले खा जाता है।

उसने अनेक प्रतियोगिताएँ जीती हैं।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें कहते हैं–

सर्वनाम	☐	विशेषण	☐
लिंग	☐	वचन	☐

(ख) सर्वनाम शब्द किसके बदले में आते हैं?

सब नामों के	☐	कुछ नामों के	☐
अपने	☐	दूसरों के	☐

2. दिए गए सर्वनाम शब्दों में से उचित शब्द रिक्त स्थान में लिखिए–

(क) _____ पौधे लगा रहा है। (मैं/वह)

(ख) _____ कब आओगे? (वह/तुम)

(ग) _____ काफ़ी भारी है। (यह/यहाँ)

(घ) _____ विद्यालय पास में ही है। (आप/हमारा)

3. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वाक्यों में कीजिए–

(क) मैं = _____

(ख) वह = _____

(ग) तुम = _____

(घ) हम = _____

4. प्रश्नोत्तर–

सर्वनाम किसे कहते हैं?

_____

_____

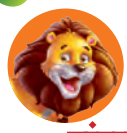

क्रियात्मक कौशल

- **संज्ञा व सर्वनाम शब्दों को अलग-अलग लिखिए–**

कुत्ता, पेंसिल, हम, मोती, बंदर, चम्मच, कौन, उसका, वह, रोटी, उसने, यह, चारपाई

संज्ञा	सर्वनाम
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

- **जोर-जोर से सर्वनाम शब्द पढ़िए–**

मैं	हम	तुम	आप	वह	वे
मैंने	हमने	तुमने	आपने	उसने	उन्होंने
मुझे	हमें	तुम्हें	आपको	उसे	उन्हें
मेरा	हमारा	तुम्हारा	आपका	उसका	उनका

- **नीचे लिखे वाक्यों में सही सर्वनाम शब्द लिखिए–**

(क) _____ दूसरी कक्षा में पढ़ती हूँ। (वह/मैं)

(ख) क्या _____ अपनी पुस्तकें अच्छी लगती हैं? (मुझे/तुम्हें)

(ग) _____ एक सच्चा बच्चा है। (तुम/वह)

(घ) _____ अच्छे बच्चे हैं। _____ सब प्यार करते हैं।
(वह/हम/हमें/हमारे)

8 विशेषण
(Adjective)

संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को **विशेषण** कहते हैं। जैसे–

रमन बहुत **अच्छी** साइकिल चलाता है।

रीना एक **घमंडी** लड़की है।

यह सड़क बहुत **खराब** है।

अनिता **ऊँची** रस्सी कूदती है।

यह पार्क बहुत **साफ़-सुथरा** है।

सभी पेड़ **लंबे** और **ऊँचे** हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में रंगीन छपे शब्द साथ आई संज्ञा शब्दों के गुण-दोष बता रहे हैं। किसी भी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के गुण-दोष बताने वाले शब्द **विशेषण** कहलाते हैं।

विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताता है उसे विशेष्य कहते हैं। उपर्युक्त वाक्यों में साइकिल, लड़की, सड़क, रस्सी, पार्क, पेड़ विशेष्य हैं।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को कहते है–

विशेष्य	☐	विशेषण	☐
संज्ञा	☐	सर्वनाम	☐

(ख) विशेषण जिस शब्द की विशेषता बताता है, वह कहलाता है–

संज्ञा	☐	सर्वनाम	☐
विशेषण	☐	विशेष्य	☐

2. गिनिए और लिखिए–

आपकी कक्षा में कितने बच्चे हैं? कितने पंखे, कितने दरवाजे हैं? कितनी मेजें और कितनी कुरसियाँ हैं?

_____

_____

3. प्रश्नोत्तर–

विशेषण किसे कहते हैं?

_____

_____

क्रियात्मक कौशल

(क) अपने मित्र का एक गुण और एक अवगुण लिखिए–

_____

(ख) अपना एक गुण और एक अवगुण लिखिए–

_____

- यहाँ पर कुछ फल दिए गए हैं। इनकी गिनती, रंग और स्वाद लिखिए–

(क) ~~दो पीले मीठे केले~~

(ख) _____

(ग) _____

(घ) _____

(ङ) _____

- रेखा खींचकर इन पशु-पक्षियों का उनकी विशेषताओं से मिलान कीजिए–

रट्टू

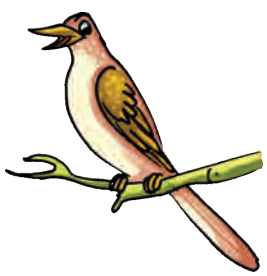

सुरीली

विशाल

वफादार

काला

शैतान

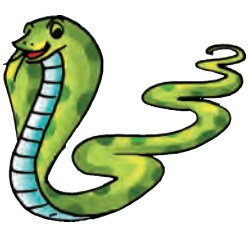

हिंसक

ज़हरीला

9 क्रिया
(Verb)

किसी काम के करने को बताने वाले शब्द '**क्रिया**' शब्द कहलाते हैं। जैसे–

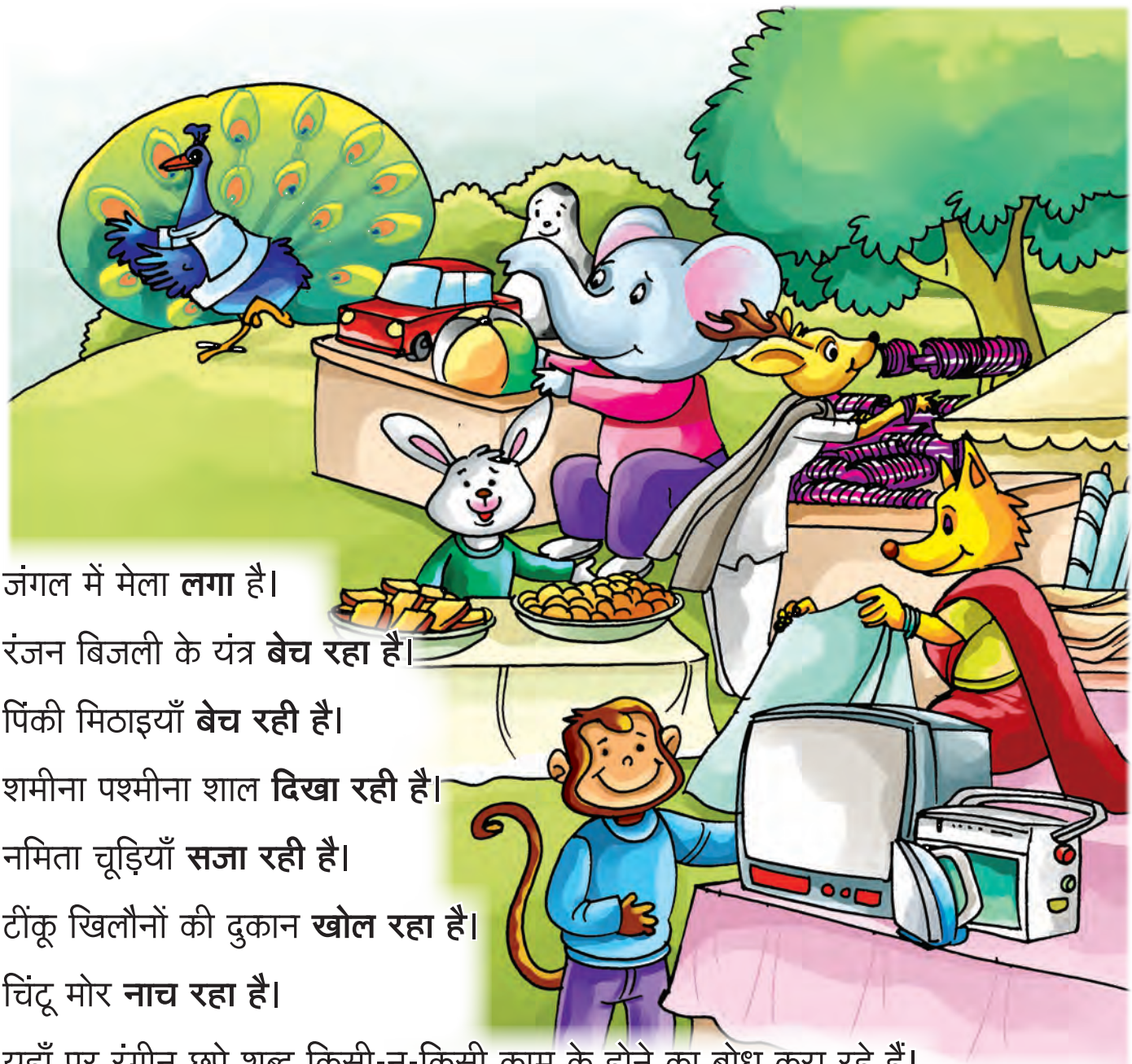

जंगल में मेला **लगा** है।

रंजन बिजली के यंत्र **बेच रहा है**।

पिंकी मिठाइयाँ **बेच रही है**।

शमीना पश्मीना शाल **दिखा रही है**।

नमिता चूड़ियाँ **सजा रही है**।

टींकू खिलौनों की दुकान **खोल रहा है**।

चिंटू मोर **नाच रहा है**।

यहाँ पर रंगीन छपे शब्द किसी-न-किसी काम के होने का बोध करा रहे हैं।

जिस शब्द से किसी काम का करना या होना प्रकट हो, उसे क्रिया कहते हैं।

कोई भी वाक्य क्रिया के बिना पूरा नहीं होता। कुछ अन्य क्रिया शब्द हैं – पढ़ना, लिखना, चलना, कूदना, खाना, पीना आदि।

पीना

लिखना

दौड़ना

सींचना

धोना

पकाना

नहाना

सफाई करना

देखना

बात करना

भाषण देना

कूदना

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) जिन शब्दों से किसी काम के होने या करने का बोध हो, उन्हें कहते हैं–

क्रिया	☐	संज्ञा	☐
सर्वनाम	☐	विशेषण	☐

(ख) क्रिया शब्दों के उदाहरण हैं–

सुनना	☐	पढ़ना	☐
नाचना	☐	उपर्युक्त सभी	☐

2. नीचे लिखे वाक्यों को क्रिया शब्दों से पूरा कीजिए–

(क) माँ! मुझे कहानी _____।

(ख) कल मैं तुम्हें एक गीत _____।

(ग) अभी-अभी मुझसे काँच का एक गिलास _____।

(घ) बहुत देर हो गई, मैं सोने के लिए _____।

(ङ) देर तक टी० वी० _____ से मेरी आँखें _____।

3. हर भाग से शब्द लेकर वाक्य बनाइए और लिखिए–

मैं	गीत	बनाओ।
तुम	नदी में	सुन रहा है।
वह	चाय	तैरूँगी।

_____

_____

_____

4. समान क्रिया शब्दों के जोड़े बनाइए और लिखिए–

रोना	मँगाना	रोना	रुलाना
जागना	हँसाना	_____	_____
हँसना	उड़ाना	_____	_____
उड़ना	खिलाना	_____	_____
खेलना	जगाना	_____	_____
माँगना	रुलाना	_____	_____

5. 'ना' लगाकर क्रिया शब्द लिखिए–

भाग	भागना	कह	_____	डाँट	_____
पी	_____	बोल	_____	चीख	_____
सो	_____	पूछ	_____	बता	_____

10 अशुद्धि शोधन
(Correction of Errors)

प्रायः हम शुद्ध लिखना चाहते हैं किंतु अभ्यास की कमी के कारण कुछ शब्द अशुद्ध लिख देते हैं। इससे भाषा अशुद्ध हो जाती है, जो अच्छा प्रभाव नहीं डालती।भले ही यह अशुद्धि या गलती छोटी–सी ही क्यों न हो, यह पूरे वाक्य को अशुद्ध बना देती है। वर्तनी (spelling) को शुद्ध करना ही **अशुद्धि शोधन** कहलाता है।

नीचे लिखे अशुद्ध शब्दों को शुद्ध रूप में पढ़कर समझिए–

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
जमुना	यमुना	मोहदय	महोदय
पत्नि	पत्नी	आननद	आनंद
दिवाली	दीवाली	अविश्कार	आविष्कार
बजार	बाज़ार	विग्यान	विज्ञान
कवी	कवि	छिमा	क्षमा
गुरू	गुरु	असपताल	अस्पताल
पुज्य	पूज्य	उममीद	उम्मीद
विधालय	विद्यालय	त्यौहार	त्योहार
वयसत	व्यस्त	पड़ौसी	पड़ोसी
अतेव	अतएव	पैन	पेन
छूट्टी	छुट्टी	बिमारी	बीमारी
मुर्ख	मूर्ख	वापिस	वापस
नमश्कार	नमस्कार	परिक्षा	परीक्षा

वाक्यों में अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मैंने खाना नहीं खाना।	मुझे खाना नहीं खाना।
घोड़े को काटकर घास खिलाओ।	घास काटकर घोड़े को खिलाओ।
वह घोड़े पर से गिर पड़ा।	वह घोड़े से गिर पड़ा।
वह लौटा आए।	वे लौट आए।
आपका स्वास्थ्य कैसी है।	आपका स्वास्थ्य कैसा है?
वह पागल आदमी हो गया।	वह आदमी पागल हो गया।
मेरे परीक्षा समाप्त हो गए हैं।	मेरी परीक्षा समाप्त हो गई हैं।

अभ्यास

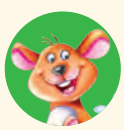

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द कौन-सा है?

सूबह ☐ सुबाह ☐

सुबह ☐ सुबहा ☐

(ख) 'वरसा' का शुद्ध रूप चुनें-

वर्षा ☐ वरशा ☐

वरसा ☐ बरसना ☐

2. शुद्ध शब्द के आगे ✓ लगाइए–

राश्टरीय	☐	राष्ट्रीय	☐
झंडा	☐	झनडा	☐
मूसीबत	☐	मुसीबत	☐
बिमार	☐	बीमार	☐
लचार	☐	लाचार	☐

3. वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

(क) मूझे दो दीन की छूट्टी चहिए।

_____

(ख) हमें कभी झुठ नहीं बोलना चाहिए।

_____

(ग) सचचाइ कभी छूप नहीं सकती।

_____

(घ) तुमको रोज पडाई करनी होगी।

_____

4. जानिए–

वर्तनी के यह दोनों रूप शुद्ध हैं–

सर्दी	सरदी
गर्मी	गरमी
बर्फी	बरफी
शर्बत	शरबत
बर्तन	बरतन
गर्दन	गरदन

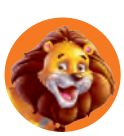

क्रियात्मक कौशल

- **निम्नलिखित अनुच्छेद में अशुद्धियाँ रेखांकित करें, तत्पश्चात् इस संपूर्ण अनुच्छेद को शुद्ध रूप में पुनः लिखें–**

शब्दों अथवा वाक्यों में अशुधि का मूल कारण अशुध उत्वारण है। शब्दों में ध्वनि का निश्चित स्थान होता है। इसी निश्चित सथान पर वर्णों को लिखने से वरतनी की अशुधि नहीं होगी। अपनी छेत्रीय बोली या मात्रिभाषा के प्रभाव के कारण भी वरतनी की अशुधि संभव है।

11 विलोम शब्द
(Antonyms)

विलोम का अर्थ है– **उल्टा** या **विपरीत**; जैसे–

यहाँ पर ऊपर-नीचे शब्द एक-दूसरे का विपरीत अर्थ दे रहे हैं। अतः ये विलोम शब्द हैं।

एक-दूसरे का उल्टा या विपरीत अर्थ बताने वाले शब्द को विपरीतार्थक या विलोम शब्द कहते हैं।

दिए गए इन शब्दों को पढ़िए और समझिए–

शब्द		विलोम
बड़ा	×	छोटा
उदय	×	अस्त
चतुर	×	मूर्ख
दिन	×	रात
लाभ	×	हानि
इधर	×	उधर
अगला	×	पिछला
मान	×	अपमान
ताजा	×	बासी
वीर	×	कायर

शब्द		विलोम
गोरा	×	काला
झूठ	×	सच
देश	×	विदेश
निकट	×	दूर
कड़वा	×	मीठा
खिलना	×	मुरझाना
जीत	×	हार
प्रातः	×	रात
हर्ष	×	शोक
सुर	×	असुर

शब्द		विलोम
खुशबू	×	बदबू
सत्य	×	असत्य
शत्रु	×	मित्र
राजा	×	रंक
आशा	×	निराशा
अधिक	×	कम
महँगा	×	सस्ता
चल	×	अचल
पूर्ण	×	अपूर्ण
शांत	×	अशांत

शब्द		विलोम
साधारण	×	असाधारण
तेज	×	धीमा
आरंभ	×	अंत
लाभ	×	हानि
भयभीत	×	निडर
विश्वास	×	अविश्वास
अँधेरा	×	उजाला
जमीन	×	आसमान
कच्चा	×	पक्का
उतार	×	चढ़ाव

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) 'प्रकाश' का विलोम है–

अँधियारा	☐	अंधकार	☐
अँधेरा	☐	उपर्युक्त सभी	☐

(ख) 'वीर' का विलोम क्या होगा?

डरपोक	☐	सबल	☐
कायर	☐	बुजदिल	☐

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

मीठा	_____	कोमल	_____
मुलायम	_____	तेज	_____
मालिक	_____	हँसना	_____
पास	_____	देश	_____

3. रिक्त स्थान में रंगीन छपे शब्दों के विलोम लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) हमने **पुराना** घर बेच दिया और _____ खरीद लिया।

(ख) चलो नाराज मत होओ, हम _____ तुम **जीते**।

(ग) दौड़ में **मोटा** लड़का हार गया लेकिन _____ लड़का विजयी हुआ।

(घ) सब काम **चुस्ती** से करो, इस तरह _____ दिखाना ठीक नहीं।

4. निम्नलिखित शब्दों को उनके विलोम से मिलाइए–

प्रकाश	बासी
वीर	अस्त
ताजा	अविश्वास
डरपोक	अंधकार
उदय	कायर
विश्वास	निडर

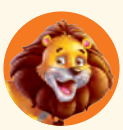

क्रियात्मक कौशल

- **विलोम के इन जोड़ों का प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए–**

(क) धनी-निर्धन _____

_____

(ख) सुख-दुःख _____

_____

(ग) भला-बुरा _____

_____

(घ) मित्र-शत्रु _____

_____

- **अपनी उत्तर-पुस्तिका में किन्हीं पाँच चित्रों के माध्यम से विलोम शब्दों को प्रदर्शित कीजिए।**

12 पर्यायवाची शब्द

(Synonyms)

समान अर्थ वाले शब्दों को **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं। जैसे–

अग्नि, ज्वाला, पावक

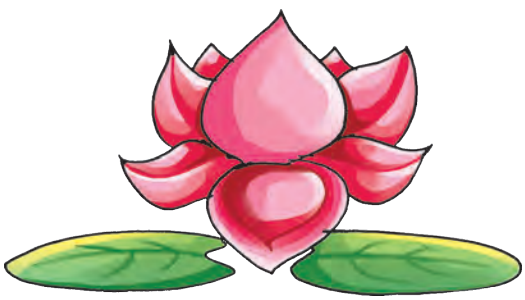

पंकज, जलज, नीरज

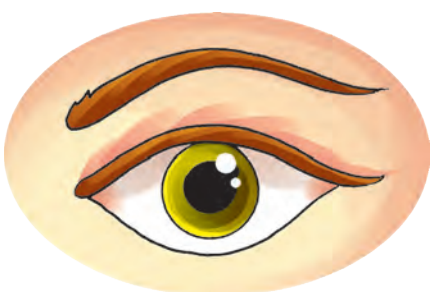

नयन, चक्षु, लोचन

गहना, अलंकार, जेवर

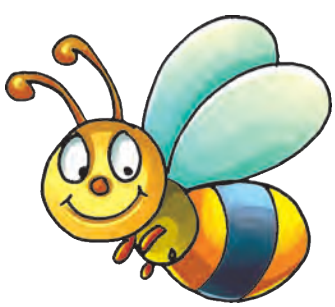

अलि, मधुकर, भँवरा

भवन, गृह, निकेतन

उपर्युक्त प्रत्येक चित्र के नीचे उसके समान अर्थ वाले शब्द लिखे हैं।

इस प्रकार, एक शब्द के कई समान अर्थ हो सकते हैं; इन्हें ही **पर्यायवाची शब्द** कहते हैं।

पर्यायवाची शब्द		पर्यायवाची शब्द	
धरती	– भू, भूमि, धरा।	**उपवन**	– बाग, बगीचा, वाटिका।
शरीर	– देह, तन, काया, बदन।	**राजा**	– नरेश, नृप, भूपति।
भगवान	– प्रभु, हरि, परमात्मा, ईश्वर।	**कमल**	– पंकज, जलज, नीरज, अंबुज।
आकाश	– नभ, गगन, अंबर, व्योम।	**चंद्रमा**	– शशि, चाँद, राकेश।
आँख	– नयन, चक्षु, नेत्र, लोचन।	**सूरज**	– दिनकर, दिवाकर, रवि।
मनुष्य	– मानव, आदमी, नर।	**जल**	– नीर, पानी, तोय, अंबु।
किसान	– हलवाहा, कृषक, खेतिहर।	**कृष्ण**	– श्याम, मोहन, माधव।
हवा	– वायु, पवन, समीर।	**गाय**	– गौ, धेनु, सुरभि।
दिन	– वार, दिवस, दिवा।	**पेड़**	– तरु, पादप, वृक्ष।
साँप	– नाग, सर्प, भुजंग।	**माँ**	– माता, जननी, अंबा।
झंडा	– पताका, ध्वज, केतु।	**घर**	– गृह, धाम, आवास।
अमृत	– सोम, सुधा, पीयूष, अमिय।	**आदर**	– मान, सम्मान, प्रतिष्ठा।
आग	– अनल, पावक, दहन, अग्नि।	**सेवक**	– नौकर, अनुचर, भृत्य।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) झंडे का पर्यायवाची है–

ध्वज	☐	केतु	☐
पताका	☐	उपर्युक्त तीनों	☐

(ख) तरु किसका पर्याय है?

पेड़	☐	घोड़ा	☐
नदी	☐	सर्प	☐

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

माता - _____ _____

पर्वत - _____ _____

राजा - _____ _____

उपवन - _____ _____

चंद्रमा - _____ _____

कृष्ण - _____ _____

3. दिए गए पर्यायवाची शब्दों में गलत पर्यायवाची शब्द पर गोला बनाइए–

जल - नीर पानी, अमृत।

गाय - गौ, गान, सुरभि।

साँप - अहि, भुजंग, केतु।

मनुष्य - इंसान, सम्राट, नर।

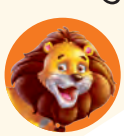

क्रियात्मक कौशल

- **चित्र देखकर उनके दो-दो पर्यायवाची लिखिए–**

_____

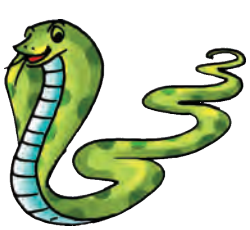

_____

_____

13 शब्दों के जोड़े
(Pair of Words)

प्रायः हम एक-जैसे मेल खाते दो शब्दों को कुछ इस प्रकार लिखते हैं; जैसे– सुख और दुःख इन्हीं शब्दों को शब्दों के जोड़े कहते हैं।

हम इन शब्दों को कुछ इस प्रकार भी लिख सकते हैं; जैसे– सुख-दुःख।

इसी प्रकार के कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं; इन्हें ध्यान से पढ़िए–

एक जैसे शब्द–

नए-नए	धीरे-धीरे	दूर-दूर	छोटा-छोटा
हरे-हरे	खुशी-खुशी	कभी-कभी	आगे-आगे
घर-घर	अपना-अपना	लाल-लाल	कोई-कोई

उलटे अर्थ वाले (विलोम) शब्द

सुख × दुःख	देश × विदेश	दिन × रात	सच × झूठ
सुबह × शाम	इधर × उधर	हार × जीत	दाएँ × बाएँ
लाभ × हानि	बच्चा × बूढ़ा	जड़ × चेतन	स्त्री × पुरुष

मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द–

धूल-मिट्टी	घास-फूस	भाग-दौड़	बाल-बच्चे
बचे-खुचे	जीता-जागता	चिट्ठी-पत्री	नहाना-धोना
नौकर-चाकर	देख-भाल	घास-पात	चमक-दमक

उपर्युक्त शब्दों जैसे तीनों तरह के तीन-तीन शब्द लिखिए–

_____ _____ _____

_____ _____ _____

_____ _____ _____

14 समूहवाची शब्द
(Grouping Words)

किसी भी वस्तु, सामान को एकत्र करके समूह में रखना ही समूहवाची कहलाता है। जैसे–

माला

फूलों की

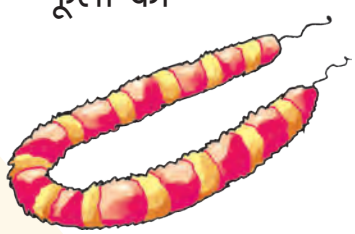

मोतियों की

गुच्छा

चाबियों का

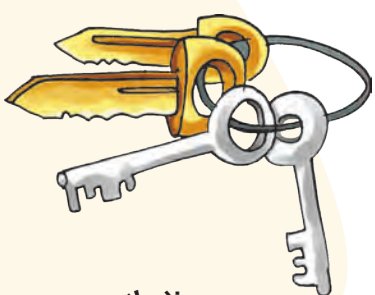

अंगूर का

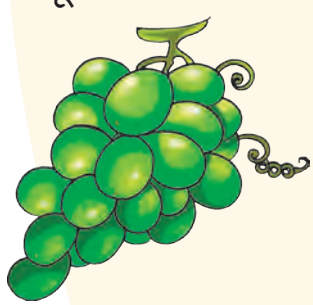

छत्ता

ततैयों का

मधुमक्खियों का

गड्डी

नोटों की

कागज की

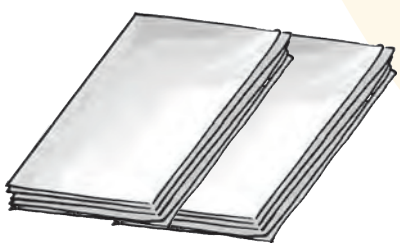

15 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(One Word Substitution)

कुछ अन्य अनेक शब्दों के लिए एक शब्द इस प्रकार हैं, इन्हें याद कीजिए–

देखने वाले	दर्शक	पृथ्वी पर रहने वाले जीव	थलचर
सुनने वाले	श्रोता	पानी में रहने वाले जीव	जलचर
गाँव में रहने वाले	ग्रामीण	आकाश में उड़ने वाले जीव	नभचर
शहर में रहने वाले	शहरी	वनों में रहने वाले जीव	वनचर
गाना गाने वाला	गायक	मांस खाने वाले	मांसाहारी
भगवान में आस्था रखने वाला	आस्तिक	साग-सब्जी खाने वाले	शाकाहारी
पढ़ाने वाले	अध्यापक	फल खाने वाले	फलाहारी
पढ़ाने वाली	अध्यापिका	वाहन चलाने वाला	चालक
पाठशाला में पढ़ने वाले	छात्र	हवा में उड़ने वाला	हवाई
पाठशाला में पढ़ने वाली	छात्रा	सेना में काम करने वाला	सैनिक
अभिनय करने वाले	अभिनेता	चिकित्सा करने वाले	चिकित्सक
अभिनय करने वाली	अभिनेत्री	जो आरपार दिखाई दे	पारदर्शी

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

शहर में रहने वाले _____

देखने वाले _____

पानी में रहने वाले जीव _____

गाना गाने वाले _____

पढ़ाने वाली _____

2. दिए गए एक शब्द के लिए अनेक शब्द लिखिए–

नभचर _____

सैनिक _____

श्रोता _____

वनचर _____

चालक _____

क्रियात्मक कौशल

- **सही मेल मिलाइए–**

जो मिठाई बनाता है	डाकिया
जो डाक लाता है	परिश्रमी
जो इलाज करता है	मांसाहारी
जो परिश्रम करता है	हलवाई
जो आज्ञा मानता है	डॉक्टर
जो मांस खाता है	आज्ञाकारी

16 मुहावरे
(Idioms)

मेरी बात '*पत्थर की लकीर*' है।

परीक्षा के लिए '*कमर कस*' लो।

ऊपर के वाक्यों में रंगीन लिखे शब्दों के विशेष अर्थ हैं।

पत्थर की लकीर – पक्की बात।

कमर कसना – डटकर तैयारी करना।

ऐसे वाक्यांश जिनका सामान्य से हटकर कोई विशेष अर्थ होता है, मुहावरे कहलाते हैं।

नीचे कुछ मुहावरे उनके अर्थ एवं प्रयोग सहित दिए जा रहे हैं, इन्हें पढ़कर याद कीजिए–

उल्लू बनाना – मूर्ख बनाना।
सौरभ सबको झूठ बोलकर **उल्लू बनाना** चाहता है।

आँखों का तारा – बहुत प्यारा।
सुमित इकलौता बेटा है, घर में वह सबकी **आँखों का तारा** है।

काला अक्षर भैंस बराबर – अनपढ़।
गाँव की ताई जरूरी खबर नहीं पढ़ पायी क्योंकि उनके लिए तो **काला अक्षर भैंस बराबर** है।

चंपत होना – भाग जाना।
लुटेरा पर्स छीनकर **चंपत हो** गया।

रंग बदलना – चाल बदलना।
वोट मिल जाने के बाद अक्सर नेता **रंग बदल** लेते हैं।

हाथ साफ करना – चुराना।
सावधान रहें, स्टेशन पर **हाथ साफ करने** वाले भी घूमते रहते हैं।

ठन-ठन गोपाल – धन न होना।
दीनू की बेटी की शादी इसलिए नहीं हुई क्योंकि लड़के वालों ने उसे **ठन-ठन गोपाल** समझा।

बाल-बाल बचना – कठिनाई से बचना।
चोर वार करने ही वाला था कि मैं जाग गया। आज तो मैं **बाल-बाल** बचा।

माथा ठनकना – शक होना।
कल तक तो वह सबसे उधार माँगता था, आज यह नई कार खरीद लाया तो मेरा **माथा ठनका**।

कान कतरना – चतुर होना।
वह आजकल अच्छों-अच्छों के **कान कतरता** है।

ईद का चाँद – बहुत समय के बाद मिलना।
आओ सोमेश! तुम तो **ईद का चाँद** ही हो गए थे।

अपना उल्लू सीधा करना – मतलब निकालना।
उसे बस **अपना उल्लू सीधा करना** है इसलिए वह झूठी हमदर्दी दिखा रहा है।

खाने को दौड़ना – गुस्से से बात करना।
न जाने क्यों जरा–सी बात पूछने पर ही वह **खाने को दौड़ता** है।

अपनी खिचड़ी अलग पकाना – सबसे अलग रहना।
सब यहाँ बैठे हैं और वह वहाँ अकेली बैठी शुरू से ही **अपनी खिचड़ी अलग पका** रही है।

विष घोलना – बुराई करना।
एक दूसरे के प्रति मन में **विष घोलने** वाले किसी के हितैषी नहीं होते।

बगलें झाँकना – इधर-उधर देखना।
कम अंक आने पर जब पिताजी ने डाँटा तो रोहित **बगलें झाँकने** लगा।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए–

रंग बदलना _____

हाथ साफ करना _____

ईद का चाँद होना _____

ठन-ठन गोपाल होना _____

माथा ठनकना _____

2. सुमेल कीजिए–

उल्लू बनाना	भाग जाना
चंपत होना	अनपढ़
विष घोलना	थोड़े शब्दों में बहुत कहना
काला अक्षर भैंस बराबर	मूर्ख बनाना
गागर में सागर	बुराई करना

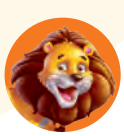

क्रियात्मक कौशल

- **आगे कुछ मुहावरे और उनके अर्थ दिए जा रहे हैं, उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

(क) कान पर जूँ न रेंगना - ध्यान न देना।

_____

_____

(ख) **कान पकड़ना** - अपनी भूल स्वीकार कर भविष्य में वैसी बात न करने की प्रतिज्ञा करना।

_____

_____

(ग) **कान खड़े होना** - सावधान होना।

_____

_____

(घ) **आँखों का तारा** - अत्यंत प्रिय।

_____

_____

(ङ) **खून सूखना** - भय से पीला पड़ना।

_____

_____

(च) **गले लगाना** - प्रेम करना।

_____

_____

(छ) **टाँग अड़ाना** - फिजूल दखल देना।

_____

_____

- **उचित मुहावरा लिखकर वाक्य पूरा करो–**

(क) ओहो! _____ बात मत कहो।

(ख) माँ देखना, मैं बड़ा होकर _____ भी तोड़ लाऊँगा।

(ग) देखो तो, भैया कैसे _____ सो रहा है।

(घ) एक तो गलती करते हो, ऊपर से _____ हो।

(ङ) तुम्हारा गंदा लेख देखकर माँ बहुत _____ होंगी।

17 पत्र-लेखन
(Letter-Writing)

किसी सूचना को देने अथवा प्रार्थना या निवेदन करने के लिए प्रायः पत्र लिखे जाते हैं। किसी को निमंत्रण देने हेतु भी पत्र लिखना पड़ता है। पत्र लिखते समय इन बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए–

(क) पत्र सरल व संक्षिप्त हो।
(ख) भाषा स्पष्ट व वाक्य छोटे-छोटे हों।
(ग) पत्र पर तिथि, भेजने वाले का विवरण और पाने वाले का पता अवश्य लिखा हो।
(घ) संबोधन आदरयुक्त हों।
आगे कुछ पत्र दिए जा रहे हैं, उन्हें पढ़कर एक अच्छा पत्र लिखने का अभ्यास कीजिए–

पत्र का प्ररूप

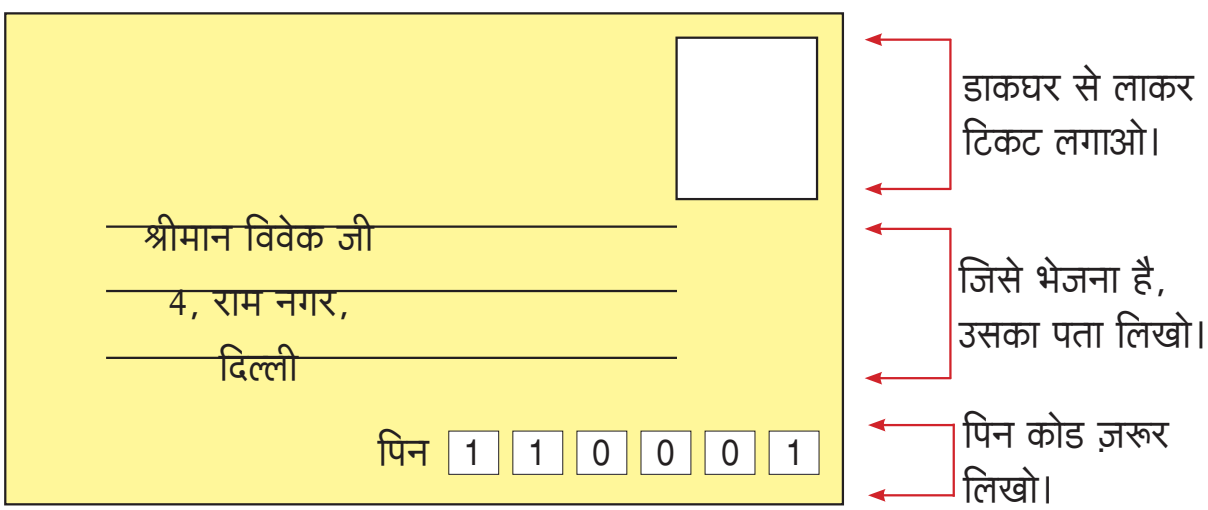

पत्रों के प्रकार

पत्र मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं–

1. औपचारिक पत्र 2. अनौपचारिक पत्र

1. **औपचारिक पत्र (Formal Letter) :** औपचारिक पत्र नौकरी अथवा कार्यालय और व्यापार से संबंधित होते हैं।
2. **अनौपचारिक पत्र (Informal Letter) :** अनौपचारिक पत्र मित्रों और रिश्तेदारों को लिखे जाते हैं।

1. प्रार्थना पत्र (अवकाश हेतु)

(1) आवश्यक कार्य हेतु अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखें।

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी
डी० ए० वी० पब्लिक स्कूल
देहरादून।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि एक आवश्यक कार्य हेतु मुझे अपने पिताजी के साथ दिल्ली जाना है। अतः दिनांक ------ को मैं विद्यालय नहीं आ सकूँगा।

कृपया आप मुझे एक दिन का अवकाश प्रदान करें।
धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य
विभोर मिश्रा
कक्षा– 3 (B)

(2) चाचा की शादी में सम्मिलित होने के लिए अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखें।

सेवा में
प्रधानाचार्य
राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
कृष्णा नगर
दिल्ली।
तिथि : _____
महोदय
सविनय निवेदन है कि आगामी सप्ताह दिनांक _____ दिसंबर _____ को मेरे चाचा जी का शुभ-विवाह निश्चित हुआ है। बारात रेल द्वारा नई दिल्ली से मद्रास जाएगी और मेरा भी बारात में साथ जाना अत्यंत आवश्यक है। अतः श्रीमान जी से करबद्ध प्रार्थना है कि मुझे एक सप्ताह का (_____ दिसंबर, _____ से _____ दिसंबर, _____ तक) अवकाश प्रदान करने की कृपा करें जिसके लिए मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा।
सधन्यवाद,
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अक्षय कुमार बंसल
कक्षा–तीन 'ब'
अनुक्रमांक-8

2. निजी पत्र

(1) क्रिकेट टीम का कप्तान बनने पर मित्र को पत्र लिखें।

231/D, साकेत

नई दिल्ली

दिनांक : -------

प्रिय मित्र सौरभ,

सप्रेम नमस्ते।

मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं अपनी क्रिकेट टीम का कप्तान बन गया हूँ। तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है? अंकल–आँटी को मेरी ओर से प्रणाम कहना और मुझसे मिलने इन छुट्टियों में अवश्य आना।

शेष कुशल है।

तुम्हारा मित्र
अनंत

(2) कक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होने पर मित्र को पत्र लिखें एवं उन्हें बताएँ कि भविष्य में आप क्या बनना चाहते हैं।

अशोक निवास,
बी-205, मान सरोवर
(निकट मुख्य डाकघर)
इलाहाबाद (उत्तर-प्रदेश)
तिथि : _____
प्रिय मित्र रमन,
नमस्कार।
तुम्हें बड़े हर्ष के साथ सूचित कर रहा हूँ कि प्रत्येक वर्षों की भाँति इस वर्ष भी मैं अपनी कक्षा में प्रथम आया हूँ और विज्ञान व गणित विषय में तो मुझे विशेष योग्यता मिली है। तुमने पिछले पत्र में मुझसे पूछा था कि भविष्य के प्रति मेरी क्या योजनाएँ हैं। मित्र! मैंने पक्का निश्चय कर लिया है कि मैं इंजीनियर ही बनूँगा और अपने गाँव जाकर वहाँ पर उद्योग लगाकर गाँव का विकास करूँगा। जब मैंने पिताजी को अपना निश्चय बताया तो वह भी बहुत प्रसन्न हुए। आशा है, तुम्हें भी इससे प्रसन्नता ही होगी।
चाचा जी व चाची जी को मेरी ओर से चरण-स्पर्श तथा छोटी गुड़िया को प्यार।
तुम्हारा मित्र
जवाहर लाल
सर्वोदय नगर
कानपुर।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. सर्दी लग जाने के कारण हुए बुखार से आप विद्यालय नहीं जा सके, इसलिए प्रार्थना-पत्र लिखकर दो दिन का अवकाश माँगिए–

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

2. पत्र लिखकर अपने मित्र को जन्मदिन की बधाई दीजिए–

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

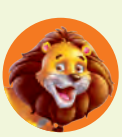

क्रियात्मक कौशल

- अंतर्जाल (Internet) / पुस्तकालय की सहायता से राष्ट्र के महापुरुषों के किन्हीं पाँच पत्रों का संकलन कर एक सचित्र चार्ट बनाकर कक्षा में प्रदर्शित करें।

18 चित्र-वर्णन
(Picture-Description)

बच्चो! किसी भी चित्र को देखकर उसमें दिखाई गई सभी वस्तुओं इत्यादि का उसी रूप में वर्णन करना ही **चित्र-वर्णन** कहलाता है।

चित्र-वर्णन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि कौन क्या कर रहा है? उसे देखकर उनकी एक रूपरेखा बना लेनी चाहिए। वाक्य संक्षिप्त, सरल, सहज और स्वाभाविक होने चाहिए।

उदाहरण के लिए नीचे दिए गए चित्र और उसके वर्णन को ध्यान से देखें, पढ़ें एवं समझें-

1. यह एक सुंदर बगीचे का चित्र है।
2. बगीचे में एक टिड्डा और एक चींटी रहते हैं।
3. मेहनती चींटी पूरे दिन अपने खाने के लिए मेहनत करती रहती है।
4. टिड्डा पूरे दिन खाली बैठकर चींटी को ताने देता रहता है।
5. टिड्डा स्वयं तो मेहनत नहीं करता है और वह चींटी को भी मेहनत करने से मना करता है।
6. जब चींटी का दाना उसकी पीठ से फिसलकर नीचे गिर जाता है तो वह उस पर बहुत हँसता है।
7. पूरे दिन टिड्डा एक जगह बैठकर गुनगुनाता रहता है।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

चित्र को ध्यान से देखें और चित्र के बारे में कुछ वाक्य लिखें–

(क) _____

(ख) _____

(ग) _____

(घ) _____

(ङ) _____

(च) _____

(छ) _____

(ज) _____

(झ) _____

(ञ) _____

19 कहानी-लेखन
(Story-Writing)

प्राचीन काल से ही कहानियाँ कही-सुनी व लिखी जाती रही हैं। आगे दी गई कुछ कहानियाँ पढ़िए-

1. मगरमच्छ और बंदर

किसी नदी में एक बड़ा मगरमच्छ रहता था। नदी के किनारे एक जामुन का पेड़ था। उस पेड़ पर एक बंदर रहता था जो उसका मित्र था। बंदर मीठे-मीठे जामुन तोड़कर मगरमच्छ को खिलाता और खुद भी खाता। दोनों मित्र मजे से नदी के किनारे बैठकर गप्पें भी मारते।

एक दिन मगरमच्छ ने कुछ जामुन ले जाकर अपनी पत्नी को दिए। उसकी पत्नी को जामुन बहुत ही अच्छे लगे। उसने अपने पति मगरमच्छ से कहा, "जो बंदर रोज़ इतने मीठे जामुन खाता है, उसका कलेज़ा कितना स्वादिष्ट होगा। मेरा उस बंदर का कलेज़ा खाने को जी ललचा रहा है।" मगरमच्छ ने उसे बहुत समझाया कि मित्र के बारे में ऐसा सोचना ठीक नहीं, किंतु उसकी पत्नी ने ज़िद न छोड़ी।

मगरमच्छ कई दिन तक विचार करता रहा कि वह कैसे धोखे से बंदर को अपने पास नदी में लाए। अंत में उसे एक योजना सूझी। एक दिन उसने बंदर से नम्रता से कहा, "मित्र तुम रोज हमें मीठे जामुन खिलाते हो, कभी हमें भी सेवा का मौका दो। तुम्हें आज मैं नदी की सैर कराकर लाता हूँ।"

बंदर को मगरमच्छ की बात पर शक नहीं हुआ। वह खुशी से उसकी पीठ पर बैठ गया। मगरमच्छ उसे नदी की सैर का पूरा मजा दिलवाता रहा।

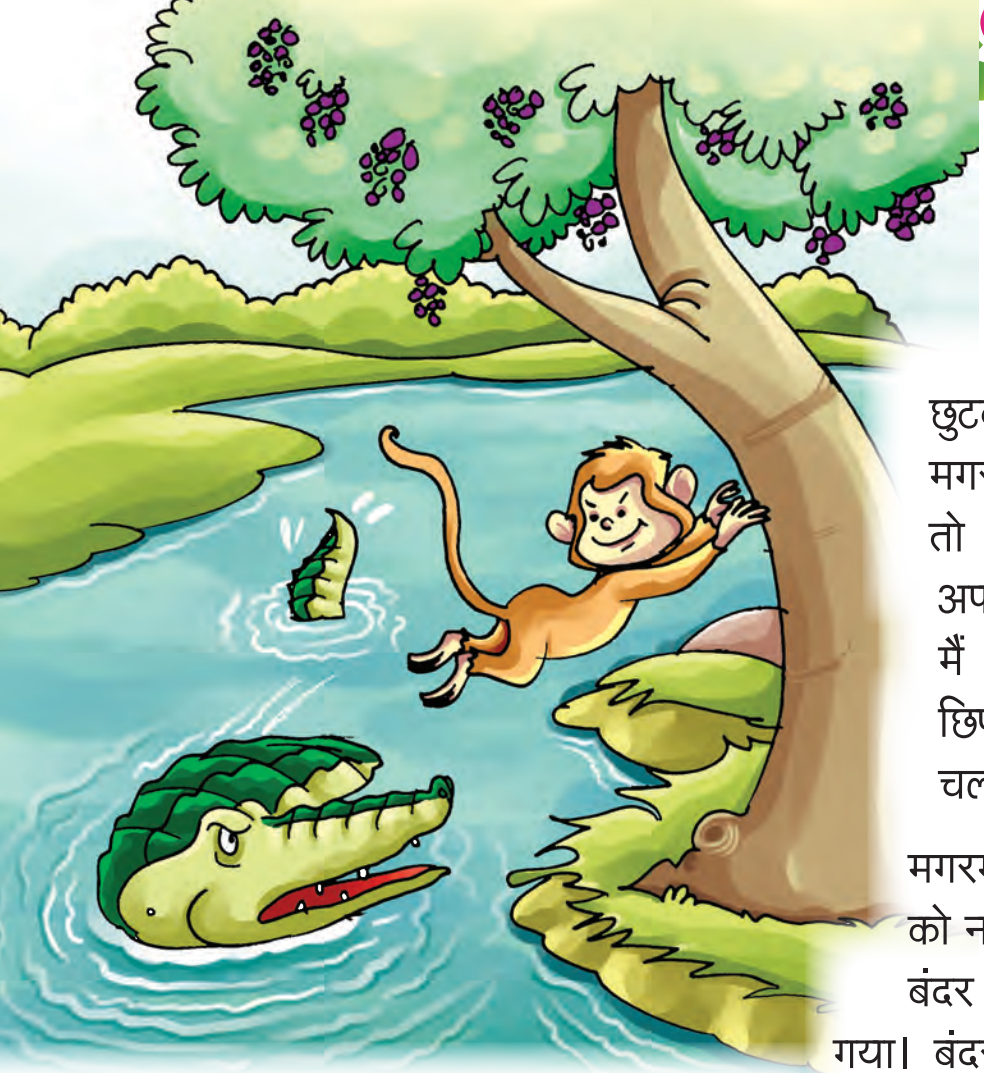

जब वे दोनों नदी के बीचो-बीच आ गए तो मगरमच्छ ने बंदर को अपनी पत्नी की इच्छा प्रकट की। बंदर को अपनी इस मुसीबत से छुटकारा पाने की तरकीब सूझी। उसने मगरमच्छ से कहा, "अरे दोस्त, यह तो छोटी-सी बात है। मैं प्रसन्नतापूर्वक अपना कलेजा दे दूँगा, लेकिन इन दिनों मैं अपना कलेजा जामुन के पेड़ पर छिपाकर रखता हूँ। तुम मुझे वहीं ले चलो, मैं तुम्हें पकड़ा दूँगा।"

मगरमच्छ मूर्ख था। वह बंदर की चतुराई को नहीं समझ सका। वह तेजी से तैरकर बंदर को जामुन के पेड़ के नजदीक ले गया। बंदर एकदम कूदकर पेड़ पर चढ़ गया और बोला, "अरे मूर्ख! क्या कलेज़ा पेड़ों पर रखने की चीज है। तुम स्वार्थी मित्र हो, जो मेरी जान लेना चाहते थे। अब यहाँ से भाग जाओ। कपटी मित्रों से कैसी दोस्ती! कभी भी मुझे अपनी शक्ल न दिखाना।" मगरमच्छ शर्म से पानी–पानी हो गया और वहाँ से चुपचाप चला गया।

इसलिए सच ही कहा है– नम्रता के पीछे यदि स्वार्थ है तो वह ढोंग है।

2. स्वार्थी मित्र

ऊँट और सियार आपस में गहरे मित्र थे। हमेशा साथ-साथ रहते थे। एक दिन उन्होंने नदी पार जाकर खेतों में से खरबूजे खाने का विचार बनाया। परंतु नदी गहरी थी और सियार में इतनी दूर तक तैरने की हिम्मत नहीं थी।

पर ऊँट ने इसका भी उपाय तलाश लिया। उसने सियार को अपनी पीठ पर बिठाया और नदी पार कर ली। वे रात के समय खेतों में घुस गए और मज़े से खरबूजों पर हाथ साफ़ करने लगे।

आधी रात बीत चुकी थी और खेतों के रखवाले गहरी नींद में सो रहे थे। ऊँट और सियार

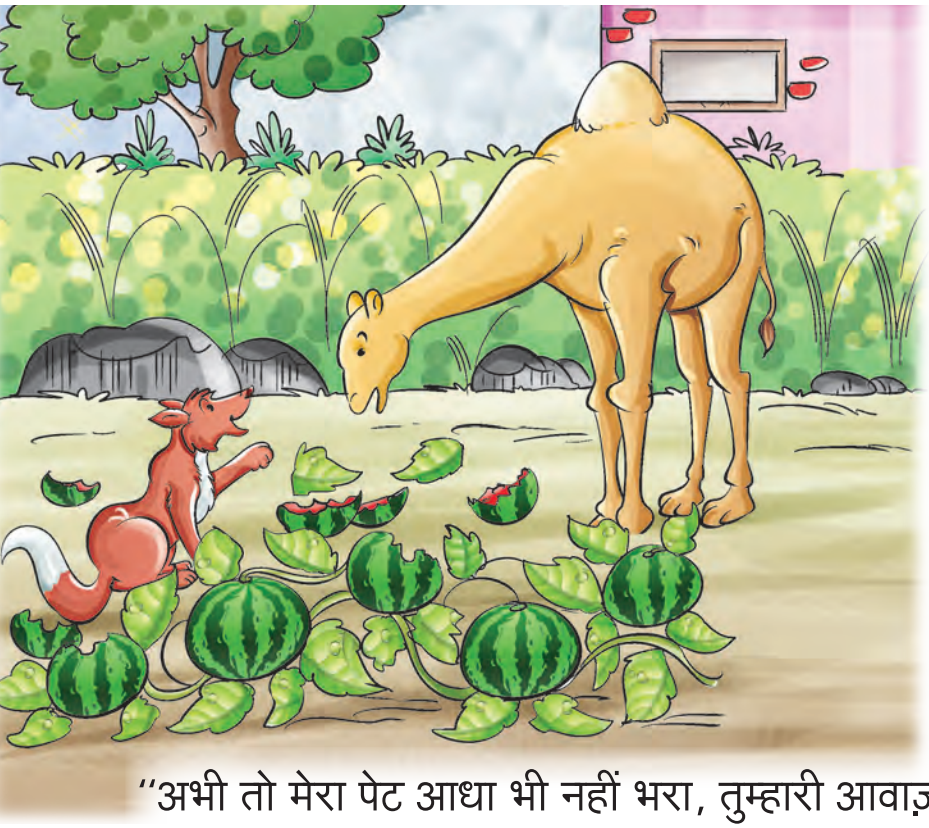

बिना किसी रुकावट के खरबूजे खाते रहे-पर सियार का पेट था ही कितना, थोड़ी ही देर में भर गया। ऊँट का पेट भरा नहीं था। पहले तो सियार थोड़ी देर तक प्रतीक्षा करता रहा। लेकिन बड़ी देर तक जब ऊँट का पेट नहीं भरा और वह खाता ही गया तो सियार को बोरियत होने लगी। वह बोला– "मित्र! बड़ी देर से मेरा मन 'हुआँ-हुआँ' करने को कर रहा है, तुम तो जानते ही हो कि खाने के बाद मैं हमेशा 'हुआँ-हुआँ' करता हूँ।"

"क्या कह रहे हो मित्र?" ऊँट बोला– "अभी तो मेरा पेट आधा भी नहीं भरा, तुम्हारी आवाज़ सुनकर अगर रखवाले आ गए तो बहुत मार पड़ेगी और मैं भूखा रह जाऊँगा।"

मगर सियार नहीं माना और वही हुआ जो नहीं होना था। सियार की आवाज़ सुनकर रखवाले दौड़ आए। सियार तो बैलों के बीच में छिप गया पर ऊँट कहाँ छिपता। ऊँट को बहुत मार पड़ी, मुश्किल से जान बचाकर वह नदी तट पर आया।

जंगल को लौटते समय दोनों ने पहले की तरह नदी पार करने की योजना बनाई। सियार ऊँट की पीठ पर बैठ गया। मगर बीच धार में पहुँचते ही ऊँट ने कहा– "मेरा लोटने का मन कर रहा है।" सियार के लाख गिड़गिड़ाने पर भी ऊँट नहीं माना और गहरे पानी में गोता लगाने लगा। स्वार्थी सियार वहीं डूब गया।

शिक्षा- विश्वासघात का परिणाम सदैव बुरा ही होता है।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

एक छोटी-सी कहानी लिखने का प्रयास कीजिए। भले ही वह राजा-रानी की हो, पशु-पक्षियों की या कोई और।

निम्नलिखित शीर्षकों व संकेतों पर कहानियाँ लिखिए–

लालच का फल

एक कुत्ता _____ रोटी का टुकड़ा _____ गाँव से बाहर जाना _____ रास्ते में पुल होना _____ नदी _____ नदी के जल में परछाई देखना _____ रुकना दूसरे कुत्ते के मुँह में रोटी देखना _____ अपनी परछाई को दूसरा कुत्ता समझना _____ रोटी छीनने की सोचना _____ भौंकने के लिए मुँह खोलना _____ रोटी पानी में गिरना।

जैसे को तैसा

एक लोमड़ी और एक सारस _____ गहरी मित्रता _____ लोमड़ी का सारस को दावत पर बुलाना _____ सारस का घर पहुँचना _____ लोमड़ी का चपटी थाली में खीर परोसना _____ लोमड़ी का सारी खीर खाना _____ सारस का भूखा रहना _____ सारस का लोमड़ी से नाराज होना अपने घर दावत पर बुलाना _____ लंबी सुराही में मछलियाँ लोमड़ी के सामने रखना _____ सारस का अपनी चोंच से मछलियाँ खाना _____ लोमड़ी का मुँह सुराही में न जाना उसका सारस को खाते देखना _____ भूखे रहना।

20 निबंध-लेखन

(Eassy-Writing)

किसी विषय पर अपने विचारों को क्रम से व स्पष्ट रूप से प्रकट करना ही निबंध-लेखन कहलाता है। यहाँ कुछ निबंध दिए जा रहे हैं, इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए–

1. परिश्रम का महत्व

प्रत्येक मनुष्य चाहता है कि वह धनवान बने, उसके पास सभी सुख-सुविधाएँ हों तथा सब उसका आदर करें। ऐसा केवल तभी हो सकता है जब व्यक्ति खूब परिश्रम करे। 'परिश्रम' अर्थात् 'मेहनत'। जो लोग आलसी होते हैं, वे तरह-तरह से काम को टालते रहते हैं। इस कारण वे हर क्षेत्र में पिछड़े रहते हैं जबकि परिश्रमी व्यक्ति को सब कुछ प्राप्त हो जाता है।

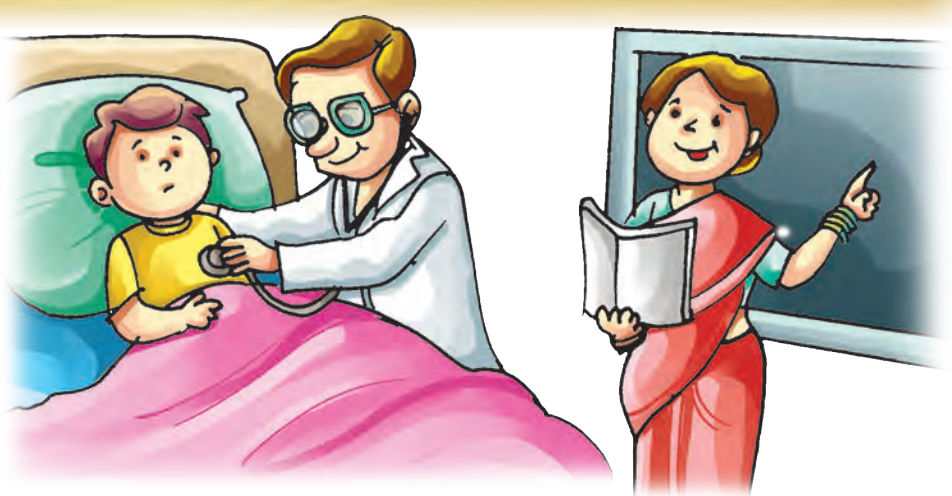

किसान के परिश्रम से ही अन्न उपजता है। डॉक्टर हो या इंजीनियर, अध्यापक हो या विद्यार्थी, सभी को परिश्रम करना पड़ता है।

मनुष्य ही नहीं वरन् पशु-पक्षियों को भी परिश्रम करने से ही भोजन मिलता है। वह चाहे चिड़िया जैसा छोटा प्राणी हो या शेर जैसा जंगल का राजा। सभी को अपना प्रबंध स्वयं करना पड़ता है।

मेहनत से जी चुराने वाले को कभी कोई सफलता नहीं मिलती। अतः सदा परिश्रम करते रहना सभी के लिए अति आवश्यक है।

2. देशप्रेम

हम भारतवासी हैं। हमें हमारा देश बहुत प्यारा है। अपने देश से हम बहुत कुछ पाते हैं। इसी धरती पर जन्म लेकर यहाँ के फल, दूध, अन्न से पोषण प्राप्त करते हैं। हमें सैकड़ों वर्षों तक गुलामी सहन करनी पड़ी थी लेकिन आज हम स्वतंत्र हैं। हमें इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करनी है। इस हेतु हमें शक्तिशाली बनना है और आपसी लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना होगा।

देश को साफ और सुंदर बनाए रखने की शुरुआत हमें अपने घर और विद्यालय से ही करनी चाहिए। भले ही हम अभी छोटे हैं किंतु फिर भी अपने देश के लिए कुछ-न-कुछ अवश्य कर सकते हैं। हमें एक सच्चा, अच्छा, गुणवान और बलवान नागरिक बनना होगा। तभी हम गर्व से कह सकेंगे कि हम अपने देश से बहुत प्रेम करते हैं।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

निबंध लिखिए–

बचत का महत्त्व

_____

_____

स्वतंत्रता दिवस

दीपावली

21 अनुच्छेद लेखन
(Paragraph-Writing)

किसी घटना, वातावरण अथवा देखे-अनदेखे विषयों पर एक अनुच्छेद में अपने विचार व्यक्त कर देना ही अनुच्छेद लेखन है।

अभ्यास

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. चित्र को देखकर अनुच्छेद लिखिए–

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

2. 'पृथ्वी पर बढ़ता प्रदूषण' विषय पर निबंध अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखिए। संबंधित चित्र भी बनाइए।

22 अपठित गद्यांश
(Unseen Passage)

ऐसा अनुच्छेद जो पहले पढ़ा न हो, अपठित गद्यांश कहलाता है। अपने आप पढ़कर उसे समझना भाषा की अच्छी समझ के लिए जरूरी होता है। अतः अभ्यास के लिए यहाँ कुछ अपठित अनुच्छेद दिए जा रहे हैं जिनके द्वारा व्याकरण और भाषा की समझ बढ़ेगी। शब्द-भंडार विकसित होगा और लिखित और मौखिक अभिव्यक्ति में भी निखार आएगा।

गद्यांश– 1

जल हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है। पीने के अलावा खाना बनाने में, खेतों की सिंचाई में, कल-कारखानों में और मशीन चलाने में भी पानी का प्रयोग होता है। पानी के बिना संसार का काम चल ही नहीं सकता। वर्षा और पहाड़ों की चोटियों पर जमी बरफ से हमें पानी मिलता है। वर्षा का जल नदियों और झीलों में भी जाता है। बरफ पिघलकर नदियों को पानी से भरपूर रखती है। यही पानी समुद्र में पहुँचता है।

कल-कारखानों की गंदगी और शहर का कूड़ा-करकट नदियों में डाला जा रहा है। इससे पानी गंदा हो जाता है और कई रोगों का कारण बनता है। हमें जल को गंदा नहीं करना चाहिए। घरों में पानी बेकार नहीं बहने देना चाहिए।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) हमें पानी कैसे प्राप्त होता है?
_____

(ख) पानी हमारे किस काम आता है?
_____

(ग) जल को साफ रखना क्यों जरूरी है?
_____

(घ) इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए।
_____

गद्यांश– 2

कोयल सोचने लगी, "मैं कहाँ जन्मी, पली और बड़ी हुई; मुझे कुछ पता नहीं। संगीत के प्रति लगन मुझे स्वयं भगवान ने दी। मुझे नहीं पता कि मैं काली हूँ या गोरी। मैं तो बस साधना करती हूँ और साधक को अपने प्रचार के लालच में नहीं पड़ना चाहिए, नहीं तो साधना कभी पूरी नहीं होती। न मुझे एकेडमी की

चाह है और न रिकॉर्ड बनवाने की, न पैसे की और न ख्याति की! मेरी साधना से यदि किसी को सुख मिले या उसमें स्वयं अपनी साधना के प्रति लगन उत्पन्न हो, तो मैं समझूँगी कि मेरी साधना सफल हुई।''

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) कोयल ने अपने परिचय में क्या कहा?

_____

(ख) संगीत के प्रति लगन कोयल को किसने दी?

_____

(ग) साधक की क्या विशेषताएँ होती हैं?

_____

(घ) इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए।

_____

गद्यांश- 3

सम्राट अशोक की उदारता और दया की भावना के कारण ही इतिहासकार उसका गुणगान करते नहीं थकते। उसकी उदारता और दया केवल मानव जाति तक सीमित न थी, वरन् वह तो प्राणिमात्र का संरक्षक और सेवक था। जाति, धर्म और देश की संकीर्णता को समाप्त कर उसने जीव-मात्र के हित को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और इस लक्ष्य की सिद्धि के लिए अपने विशाल साम्राज्य के सभी साधनों का उपयोग किया। सम्राट अशोक के महान आदर्श आज भी भारत में जीवित हैं और यहाँ के निवासियों को आत्मकल्याण और विश्वबंधुत्व की प्रेरणा दे रहे हैं।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

(क) सम्राट अशोक का गुणगान क्यों किया जाता है?

_____

(ख) सम्राट अशोक के जीवन का लक्ष्य क्या रहा?

_____

(ग) सम्राट अशोक के आदर्श हमें क्या प्रेरणा दे रहे हैं?

_____

(घ) इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए।

_____